राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 244 | जौनपुर | गुरूवार, 24 अप्रैल 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

थानाध्यक्ष हैदरगंज विवेक राय ने किया विसुन बाबा पुलिस चौकी का विधि विधान पूर्वक पूजन

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।थाना हैदरगंज क्षेत्र में कानून व्यवस्था की बहाली के लिए विसुन बाबा पुलिस चौकी का महत्वपूर्ण योगदान होगा।शांति सुरक्षा व्यवस्था के लिए मील का पत्थर साबित होगी।उक्त विचार थानाध्यक्ष हैदरगंज विवेक राय ने गुरुवार को क्षेत्र के प्रसिद्ध ऐतिहासिक धार्मिक स्थल बिसुन बाबा मेला क्षेत्र में पुलिस चौकी के लिए विधि विधान से भूमि पूजन किया।तत्पश्चात उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किया।थाना क्षेत्र के पाच ग्राम पंचायतो खपराडीह, पछियाना, थरिया कला, कोरोराघवपुर से सटे पाराराम की भूमि पूजन किया।क्षेत्र का बहुचर्चित धार्मिक मेला जो हर रविवार को लगता है ।

संक्षिप्त समाचार

राहुल को वक्फ अधिनियम को असंवैधानिक कहने का कोई अधिकार नहीं : जगदंबिका पाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता जगदंबिका पाल ने मंगलवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा और कहा कि उन्हें वक्फ संशोधन अधिनियम को असंवैधानिक कहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है क्योंकि उन्होंने इस पर लोकसभा में हुई चर्चा में भाग नहीं लिया। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार करने वाली संसद की संयुक्त संसदीय समिति के प्रमुख रहे पाल ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''संयुक्त संसदीय समिति ने विधेयक में 14 संशोधन किए और छह महीने तक विस्तृत विचार– विमर्श किया। सरकार ने सभी 14 संशोधनों को स्वीकार कर लिया, जो लोकतंत्र की ताकत को दर्शाता है।

पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमला अमानवीय और बर्बर कृत्य : मुख्यमंत्री धामी

जम्मू, (एजेंसी)। जम्मू– कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले को 'अमानवीय और बर्बर कृत्य' करार देते हुए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को इस घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। एक सोशल मीडिया पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा, ''यह आतंकी हमला मानवता के विरुद्ध एक अमानवीय और बर्बर कृत्य है। इस कायराना हमले में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।'' उन्होंने कहा कि आतंकवाद संस्कृति, शांति और मानवता के मूल्यों पर हमला है। हालांकि, उन्होंने कहा कि आतंकियों की जम्मू–कश्मीर को अशांत करने की कोशिशें कभी कामयाब नहीं होंगी। धामी ने कहा, ''इस कृत्य का मुंहतोड़ जवाब इन आतंकियों को अवश्य मिलेगा।'' कश्मीर के पहलगाम शहर के निकट 'मिनी स्विटरलैंड' नाम से मशहूर पर्यटन स्थल पर मंगलवार दोपहर हुए।

हत्या का आरोपी 26 साल बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले में 26 साल पहले हुई एक हत्या के मामले में वांछित एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। यह अभियुक्त हत्या करने के बाद पिछले 26 वर्षों से गिरफ्तारी से बचने के लिए छुप रहा था। एसटीएफ ने मंगलवार रात एक बयान में बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान सिद्धार्थनगर जिले के भवानीगंज थाना क्षेत्र के परसाहेतीम गांव के निवासी विनोद कुमार के रूप में हुई है। कुमार को एसटीएफ की टीम और महाराष्ट्र पुलिस के संयुक्त अभियान में मंगलवार दोपहर उसी के गांव से गिरफ्तार किया गया। कुमार के खिलाफ महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवानी शहर पुलिस थाने में भारतीय दंड विधान की धारा 302 (हत्या की सजा), 363 (अपहरण की सजा), 387 (जबरन वसूली के

दोषियों को किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जाएगा : गृहमंत्री शाह

जम्मू कश्मीर, (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, यह कायराना हमला है। दोषियों को किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जाएगा। कठोरतम दंड मिलेगा। यह विकसित भारत के निर्माण की प्रगति यात्रा से परेशान होकर, बौखलाकर उठाया गया कदम है लेकिन भारत बढ़ता रहेगा। हम पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं और अपनी संवेदना प्रकट करते हैं पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पर्यटकों की सहायता के लिए प्रशासन और स्थानीय संगठनों ने एक सराहनीय पहल की है। पर्यटकों को सुरक्षित रूप से अपने गंतव्यों तक पहुंचाने के लिए अब मुफ्त ऑटो सेवा शुरू की गई है। सेवा खासतौर पर उन पर्यटकों के लिए शुरू की गई है जो हमले के बाद जल्द लौटना चाह रहे हैं या जिनकी आवाजाही प्रभावित हुई है। स्थानीय ऑटो चालक इस सेवा में बढ़–चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और पर्यटकों की मदद कर रहे हैं, श्अतिथि देवो भवरूश की भावना के साथ। जम्मू–कश्मीर में हुए पहलगाम आतंकी हमले की कई मस्जिदों ने खुलकर निंदा की है। धार्मिक नेताओं और स्थानीय लोगों को शांति, अमन और भाईचारे का संदेश देते हुए आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होते हुए सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में देखा गया। मुसलमानों ने कहा कि हिंसा किसी भी धर्म या समाज में स्वीकार्य नहीं है, और ऐसे कार्य मानवता और सामाजिक सद्भाव को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाते हैं। वक्ताओं ने सभी समुदायों

से आपसी भरोसे और एकता को बनाए रखने की अपील की है, ताकि गंगा–जमुनी तहजीब को कश्मीर में बल मिल सके। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, भारी मन से पहलगाम आतंकी हमले के मृतकों को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। भारत आतंक के आगे नहीं झुकेगा। इस नृशंस आतंकी हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। पहलगाम आतंकी हमले पर हिमाचल प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता जयराम ठाकुर ने कहा, ष्कल कश्मीर के पहलगाम में जो घटना हुई है, पूरा देश और पूरी दुनिया उससे विचलित है। पहली बार हमने टारगेट किलिंग की मामला देखा। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश वापस आ गए हैं और गृह मंत्री कल ही सीधा श्रीनगर पहुंच गए हैं। एक–एक आतंकवादी को खोज कर निकाला जाएगा और इस मामले में सख्त कार्रवाई होगी। कार्रवाई केवल उन आतंकवादियों तक सीमित नहीं रहेगी जिन्होंने इस घटना को अंजाम दिया बल्कि कार्रवाई वहां तक पहुंचेगी जहां से इस आतंकवाद का संचालन हो रहा है। जम्मू–कश्मीर ब्डब ने मृतकों के परिवारों के लिए 10–10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों के लिए 2 लाख रुपये और मामूली रूप से घायलों के लिए 1 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की है। कल पहलगाम में हुए घृणित आतंकवादी हमले से गहरा सदमा लगा है और बहुत दुखी हूँ। निर्दोष नागरिकों के खिलाफ क्रूरता का यह बर्बर और मूर्खतापूर्ण कृत्य हमारे समाज में कोई स्थान नहीं रखता। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। हम खोए हुए अनमोल जीवन पर शोक व्यक्त करते हैं। कोई भी धनराशि प्रियजनों के नुकसान की भरपाई नहीं कर सकती है, लेकिन समर्थन और एकजुटता के प्रतीक के रूप में, जम्मू– कश्मीर सरकार ने मृतकों के परिवारों के लिए 10–10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों के लिए 2 लाख रुपये और मामूली रूप से घायलों के लिए 1 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की है। पीड़ितों को उनके घरों तक वापस ले जाने के लिए सभी व्यवस्थाएँ की गई हैं। घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सेवा प्रदान की जा रही है। हम शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। हम आपके दुख को साझा करते हैं और इस कठिन समय में आपके साथ खड़े हैं। लेकिन आतंक हमारे संकल्प को कभी नहीं तोड़ पाएगा और हम तब तक चौन से नहीं बैठेंगे जब तक कि इस बर्बरता के पीछे के लोगों को न्याय के कटघरे में नहीं लाया जाता, जम्मू–कश्मीर सीएमओ ने ट्वीट किया। हमले पर पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि ष्जो कल पहलगाम में हमला हुआ वह केवल मासूम पर्यटकों पर हमला भर नहीं था बल्कि जम्मू कश्मीर के लोगों पर हमला था। हम इसकी निंदा करते हैं। यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री यहां आए हुए हैं, मेरी उनसे अपील है कि वे पता लगाएं कि इसमें कौन लोग शामिल थे ताकि उन्हें जल्द से जल्द सजा दी जाए।

बातचीत से मामला सुलझाएं, मानहानि मामले में शिवराज चौहान और विवेक तन्खा को सुप्रीम कोर्ट की सलाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा से कहा कि वे मानहानि मामले को आपसी बातचीत से निपटा लें। कांग्रेस नेता विवेक तन्खा ने आरोप लगाया है कि मध्य प्रदेश में साल 2021 के पंचायत चुनावों में शिवराज सिंह चौहान, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वी डी शर्मा और पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह ने उनके खिलाफ श्संगठित, दुर्भावनापूर्ण, झूठा और मानहानिकारकश अभियान चलाया। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने चौहान और तन्खा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी और कपिल सिब्बल से कहा, श्कृपया हमें यह मामला सुनने के लिए मजबूर न करें। हम इसे बंद करना चाहते हैं। आप दोनों साथ बैठकर इसे सुलझाएं। पिछले साल मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ मानहानि मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया था। उच्च न्यायालय के इस आदेश के खिलाफ शिवराज सिंह चौहान ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी। बुधवार को सुनवाई के दौरान विवेक तन्खा के वकील कपिल सिब्बल ने कहा, अगर वह (चौहान) खेद व्यक्त करते हैं, तो मैं मानहानि के मामले को सुलझाने के लिए तैयार हूं। इस पर सुप्रीम कोर्ट में शिवराज सिंह चौहान का पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी ने जवाब दिया कि अगर कोई गलती ही नहीं हुई है तो मंत्री को खेद क्यों होना चाहिए? उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत रूप से उन्हें सिब्बल के साथ बैठकर मामले पर चर्चा करने में कोई समस्या नहीं है। इसके बाद पीठ ने मामले की सुनवाई 21 मई तक टाल दी। दरअसल विवेक तन्खा का आरोप है कि साल 2021 के पंचायत चुनाव में भाजपा नेताओं ने दावा किया कि विवेक तन्खा ने ओबीसी आरक्षण का विरोध किया। इसके खिलाफ तन्खा ने भाजपा नेताओं पर 10 करोड़ रुपये मानहानि का मामला दर्ज कराया था।

चर्चा के लिए राजनाथ सिंह ने सैन्य अधिकारियों के साथ की बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा मंत्रालय में अहम बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में सीडीएस अनिल चौहान और एनएसए अजित डोभाल भी शामिल हुए। इनके अलावा बैठक में थल सेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वायुसेना चीफ एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और नौसेना प्रमुख दिनेश त्रिपाठी भी मौजूद रहे। बैठक में पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत की प्रतिक्रिया पर चर्चा हुई। बैठक में जम्मू कश्मीर में सुरक्षा के हालात पर भी बात हुई और रक्षा मंत्री ने सुरक्षा इंतजाम कड़े करने के निर्देश दिए। जिस जगह हमला हुआ, उसके आसपास भी सैनिकों की तैनाती बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं ताकि जल्द से जल्द हमलावरों को पकड़ा जा सके। बुधवार शाम छह बजे सुरक्षा मामलों की केंद्रीय समिति की बैठक होनी है। रक्षा मंत्री की बैठक में सीसीएस की बैठक को लेकर भी चर्चा हुई। यह बैठक करीब तीन घंटे चली। मंगलवार को पहलगाम आतंकी हमले को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले से वे बेहद व्यथित हैं। मासूम नागरिकों पर यह कायराना हमला है। मासूम नागरिकों और उनके परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। जम्मू कश्मीर के पहलगाम के बैसारन इलाके में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की निर्मम हत्या कर दी गई। मीडिया

रिपोर्ट्स के अनुसार, चार से पांच आतंकियों ने पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा से जुड़े टीआरएफ ने ली है। पहलगाम का आतंकी हमला बीते 25 साल में पर्यटकों पर हुआ सबसे बड़ा आतंकी हमला बताया जा रहा है। हमले की सूचना मिलते ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह देर रात ही जम्मू कश्मीर के लिए रवाना हो गए थे और बुधवार सुबह उन्होंने पीड़ितों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपना सऊदी अरब दौरा बीच में छोड़कर ही वापस भारत लौट चुके हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी का कानपुर दौरा रद्द,जल्द बिहार जाएंगे प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 24 अप्रैल को यूपी के कानपुर में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने का दौरा रद्द कर दिया गया है। हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में कई लोगों की जान चली गई थी। इस हमले के बाद श्रद्धांजलि स्वरूप कानपुर में किसी भी तरह के जश्न या औपचारिक सार्वजनिक कार्यक्रम को स्थगित करना उचित समझा गया। उसी दिन प्रधानमंत्री मोदी बिहार के मधुबनी में पंचायती राज दिवस के अवसर पर एक पूर्व–निर्धारित आधिकारिक कार्यक्रम में भाग लेंगे, जिसमें वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से देश भर के लोग भाग लेंगे। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 24 अप्रैल को कानपुर दौरा (20,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के लिए) रद्द कर दिया गया है... वह कल नहीं आएंगे। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाने के लिए बिहार के मधुबनी में अपने पूर्व–निर्धारित आधिकारिक कार्यक्रम को जारी रखेंगे। यह कार्यक्रम मधुबनी जिले के झंझारपुर ब्लॉक के लोहना उत्तर ग्राम पंचायत में आयोजित किया जाएगा और स्थानीय स्वशासन के महत्व पर प्रकाश डाला जाएगा। इस अवसर पर जयनगर से पटना तक नमो भारत ट्रेन सेवा का उद्घाटन भी किया जाएगा, जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय संपर्क और विकास को बढ़ाना है। मंगलवार को हुए पहलगाम हमले में जम्मू–कश्मीर के लोकप्रिय स्थल बैसरन घाटी में पर्यटकों को निशाना बनाया गया। हमलावरों ने गोलीबारी की, जिसके परिणाम स्वरूप 26 लोग मारे गए और 17 घायल हो गए, जो हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में नागरिकों पर सबसे घातक हमलों में से एक है। जवाब में, प्रधानमंत्री मोदी ने सऊदी अरब की अपनी आधिकारिक यात्रा को बीच में ही रोक दिया और संकट को संबोधित करने के लिए भारत लौट आए। उन्होंने स्थिति का आकलन करने और सरकार की प्रतिक्रिया का समन्वय करने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ एक उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक बुलाई।

पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करते हुए वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने दुःख व्यक्त किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए नृशंस आतंकी हमले के मद्देनजर अमेरिका की अपनी आधिकारिक यात्रा को छोटा कर दिया है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। सीतारमण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय 'सुरक्षा पर मंत्रिमंडलीय समिति' का हिस्सा हैं। मोदी ने अपनी दो दिवसीय सऊदी अरब यात्रा को छोटा कर दिया और बुधवार सुबह नयी दिल्ली पहुंच गए। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, "केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण अमेरिका–पेरू की अपनी आधिकारिक यात्रा को बीच में ही रोक रही हैं। इस कठिन और दुखद समय में अपने लोगों के साथ रहने के लिए वह जल्द से जल्द उपलब्ध विमान से भारत वापस आ रही हैं।"

सीतारमण अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की 'वसंतकालीन बैठक' और जी–20 सदस्य देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की बैठक में भाग लेने के लिए 20 अप्रैल से अमेरिका और पेरू की 11 दिवसीय यात्रा पर थीं।अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर आतंकवादियों ने हमला किया, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। हमले में कई अन्य घायल हो गए हैं। उन्होंने बताया कि मृतकों में दो विदेशी (संयुक्त अरब अमीरात और नेपाल से) और दो स्थानीय लोग शामिल हैं। हमले की निंदा करते हुए सीतारमण ने कहा कि 'दुख व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। उन्होंने कहा, "मैं आतंकवादी हमले की निंदा करता हूं। सभी पीड़ित परिवारों और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं।

यह समय राजनीति करने का नहीं - खड़गे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले की निंदा की और केंद्र से आतंकवाद से लड़ने के सामूहिक संकल्प को आकार देने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरकार से हम अपेक्षा करते हैं कि जब जरूरी कार्रवाई हो जाए और पूरी मालूमात हासिल हो गई हो तो, वह सभी राजनीतिक दलों को विश्वास में लेकर आतंकवाद की चुनौती से निपटने के बारे में चर्चा करेगी। उन्हें सर्वदलीय बैठक बुलाकर कुछ सलाह लेनी चाहिए। यह राजनीति नहीं है और हम इस स्थिति में

राजनीति नहीं चाहते। खड़गे ने एक्स पर लिखा कि कल दोपहर करीब 2:30 बजे, जम्मू– कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष पर्यटकों की हत्या से हमें गहरा दुःख और सदमा पहुँचा है। कॉंग्रेस पार्टी कड़े से कड़े शब्दों में इस कायरतापूर्ण कृत्य की निंदा करती है। यह हमला हमारे देश की एकता और अखंडता पर कायराना हमला है। साल 2000 के छत्तीसिंह पुरा आतंकी हमले के बाद अब 25 साल बाद यह सबसे बड़ा हमला है। जो निर्दोष और निहत्थे नागरिकों को मारते हैं, वो इंसान नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि मैंने कल देर रात गृहमंत्री अमित शाह, जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुलाह और जम्मू–कश्मीर कांग्रेस के अध्यक्ष व अन्य वरिष्ठ नेताओ से बात की। उन्होंने कहा कि ये समय कोई राजनीति करने का नहीं है, हमारे पर्यटक जो इस नरसंहार में मरे हैं, उनको न्याय दिलाने का है। अलग –अलग राज्यों के पर्यटक वहाँ थे। कर्नाटक से भी मंजूनाथ राव अपनी पत्नी बच्चे के साथ वहाँ गए थे। उनकी इस घटना में मौत हो गई। और भारत भूषण की भी इस दुःखद घटना में जान चली गई। मैंने पीड़ितों की शोकग्रस्त पत्नियों से बात की और उन्हें अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि मैं मृतक परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ। गर्मी अभी शुरू हो रही है। अभी ही वहाँ पर्यटक जाना शुरू होते हैं। और वो ही जम्मू–कश्मीर की अर्थव्यवस्था और वहाँ के लोगों की आय–आमदनी का सबसे बड़ा जरिया भी है।

तो, इस साल की वहाँ की स्थानीय अर्थव्यवस्था में भारी नुक्सान होगा। भारत सरकार को अब उनकी मदद करनी चाहिए। इस समय, हम सब एक हैं। हम आतंकवादियों के खिलाफ एक होंगे। यह भारतीय राज्य के ऊपर प्रत्यक्ष हमला है। सारा देश स्तब्ध है। पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन ने इसकी जिम्मेवारी भी ली है। हमें इसका मुंहतोड़ जवाब देना होगा।

आतंकियों को दिया जाएगा मुंहतोड़ जवाब : मुख्यमंत्री मोहन यादव

मध्यप्रदेश, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए मंगलवार को कहा कि इस कायरतापूर्ण कृत्य के लिए आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। कश्मीर के पहलगाम शहर के निकट 'मिनी स्विटरलैंड' नाम से मशहूर पर्यटन स्थल पर मंगलवार दोपहर हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर पर्यटक हैं। यह 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद घाटी में हुआ सबसे घातक हमला है। उन्होंने कहा, ''हमारा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है। जम्मू– कश्मीर में शांति भंग करने की आतंकियों की कोई भी साजिश कभी कामयाब नहीं होगी, इस कृत्य का आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब जरूर मिलेगा।'' उन्होंने कहा, ''इस कायराना और अमानवीय कृत्य में कई निर्दोष लोगों ने अपनी जान गंवाई है। इस जघन्य कृत्य में अपने प्रियजनों को खोने वाले सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। मैं बाबा महाकाल से सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

संपादकीय

बिजली का खेल

सही मायनों में हमें हर किसी मुफ्त चीज की बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। यही सिद्धांत किसी देश व राज्य की अर्थव्यवस्था पर भी लागू होता है। लोकलुभावन राजनीति के चलते वोट जुटाने के लिये जिन मुफ्त की योजनाओं को पंजाब में लागू किया गया, उसने राज्य की तरक्की की गति को कुंद ही बना दिया है। वैसे भी देखा जाए तो किसानों को लुभाने के लिये पंजाब में जो मुफ्त बिजली का खेल खेला गया था, वह कृषि के विकास में सहायक साबित नहीं हो रहा है। सही मायनों में यह लोकलुभावन दांव जड़ता का प्रतीक बनकर रह गया है। वर्ष 1997 में छोटे किसानों के लिये लिए शुरू किया गया बिजली सब्सिडी खेल, महज वोट बटोरने का साधन बनकर रह गया है। सच बात तो यह है कि कोई भी राजनीतिक दल ऐसी मुफ्त की सुविधाओं को, वोट कटने की आशंका के चलते बंद करने का जोखिम भी नहीं उठाता। यह विडंबना ही है कि जिस धन को कृषि की तरक्की, ऊर्जा के बेहतर उपयोग तथा सार्वजनिक जवाबदेही से जुड़े संरचनात्मक विकास के लिये खर्च किया जाना चाहिए था, उसे सब्सिडी के रूप में व्यय किया जा रहा है। चिंता की बात यह है कि यह सब्सिडी राज्य की वित्तीय सेहत के लिये घातक साबित हो रही है। विडंबना यह है कि इस वित्तीय वर्ष में बिजली सब्सिडी पर होने वाला व्यय करीब साढ़े बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक होने वाला है। चिंता की बात यह भी है कि यह धनराशि पंजाब के पूरे बजट का दस फीसदी के करीब बैठती है। इस सब्सिडी की राशि में से दस हजार करोड़ रुपये कृषि क्षेत्र के लिये और सात हजार छह सौ करोड़ रुपये घरेलू उपयोगकर्ताओं के लिये निर्धारित हैं। आश्चर्य की बात यह है कि लोगों को लुभाने के लिये दी जा रही सब्सिडी की यह राशि अब राज्य के राजस्व घाटे के बराबर हो गई है। इसके बावजूद यह स्थिति यदि राज्य के नीति–नियंताओं को विचलित नहीं करती है, तो इसे दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। विडंबना यह है कि राज्य में मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का काम सभी राजनीतिक दलों की सरकारों ने पार्टी लाइन से हटकर हर दौर में किया। घाटे की अर्थव्यवस्था को प्रश्रय देने वाली इस नीति को न केवल जारी रखा, बल्कि इसे प्रोत्साहित भी किया । वे मुखर कृषि लॉबी के दबाव में लगातार झुकते रहे। राजनेता दूरगामी व समग्र सुधार के बजाय मुफ्त में पैसे बांटकर चुनावी लाभ हासिल करने की होड़ में जुटे रहे। वहीं आप सरकार द्वारा घरेलू उपभोक्ताओं के लिये तीन सौ यूनिट तक की बिजली मुफ्त करने से सब्सिडी का संकट और गहरा ही हुआ है। करीब नब्बे प्रतिशत तक परिवारों का बिजली बिल शून्य है। ऐसे में बिजली बचत या उपयोग की गई बिजली का भुगतान करने को प्रोत्साहन लगभग समाप्त हो गया है। अब तो पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड यानी पीएसपीसीएल कर्मचारियों के रिक्त पदों को भरने की स्थिति में भी नहीं है। इतना ही नहीं पीएसपीसीएल दो हजार करोड़ रुपये की वार्षिक बिजली चोरी की चुनौती से भी जूझ रहा है। सरकार द्वारा दिए गए करीब चार हजार करोड़ रुपये के बेलआउट के बावजूद पीएसपीसीएल भारी घाटे में चल रहा है। राज्य के विकास में सहायक संस्थानों को मजबूत करने या स्थायी सिंचाई योजनाओं में निवेश के करने के बजाय।

राष्ट्रीय संस्कृति-संवेदनशीलता की संवाहक पुस्तकें

योगेश

आज के डिजिटल युग में, जब सोशल मीडिया, मोबाइल एप्स और त्वरित सूचना के स्रोत हमारे चारों ओर फैले हुए हैं, ऐसे समय में किताबों की प्रासंगिकता और उनके महत्व को नए सिरे से समझना पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। 23 अप्रैल को मनाया जाने वाला 'विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस' न केवल पुस्तकों के महत्व की याद दिलाता

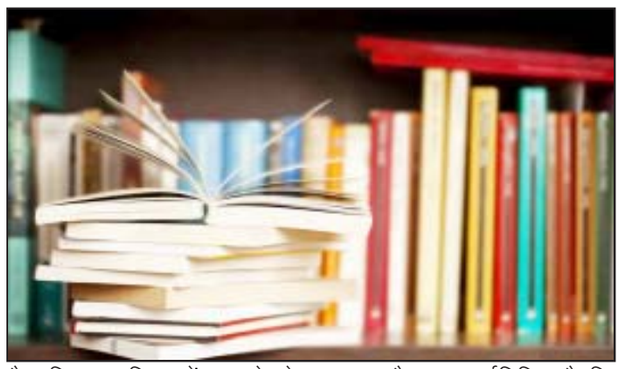

है, बल्कि यह दिन हमें यह सोचने को भी विवश करता है कि पुस्तकें क्यों हमारे जीवन का अविभाज्य हिस्सा बनी रहनी चाहिए। पुस्तकों का संसार एक ऐसा अद्भुत संसार है, जो न केवल ज्ञान देता है, बल्कि भावनाओं, विचारों और कल्पनाओं को भी नई रोशनी प्रदान करता है। यूनेस्को द्वारा 1995 में शुरू किया गया यह दिवस लेखकों, प्रकाशकों और पाठकों को एक साझे मंच पर लाकर पुस्तकों के संरक्षण और उनके प्रचार–प्रसार की दिशा में वैश्विक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दरअसल, यह दिन विश्वप्रसिद्ध साहित्यकार विलियम शेक्सपियर, मिगुएल दे सर्वांतेस तथा स्पेनी लेखक इंका गार्सिलासो दे ला वेगा की पुण्यतिथि का प्रतीक है। यह दिन इस विचार से जुड़ा है कि पुस्तकें किसी देश अथवा भाषा तक सीमित न रहकर विश्व सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा होती हैं। आज जब सूचना के स्रोतों की भरमार है, तब पुस्तक पढ़ने की संस्कृति तेजी से क्षीण होती जा रही है। बच्चों से लेकर युवाओं और वयस्कों तक, हर कोई डिजिटल उपकरणों से इतना जुड़ गया है कि पुस्तकों को समय देना अब एक 'पुरानी आदत' मानी जाने लगी है। विश्व पुस्तक दिवस का उद्देश्य लोगों में पुस्तकों के प्रति लगाव बढ़ाना, लेखकों और प्रकाशकों को वैश्विक सम्मान देना, कॉपीराइट जैसे संवेदनशील विषयों पर जागरूकता फैलाना और पढ़ने की आदत को जीवन का हिस्सा बनाना है। यह सर्वविदित है कि पढ़ना न केवल ज्ञानार्जन का माध्यम है, बल्कि यह ध्यान केंद्रित करने, सोचने की क्षमता बढ़ाने, कल्पनाशीलता को विकसित करने और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को सुदृढ़ करने में भी सहायक है। जब हम किसी पुस्तक के पन्ने पलटते हैं, तो हमारा मस्तिष्क लेखक की कल्पनाओं में प्रवेश करता है, चरित्रों से जुड़ता है और किसी कथा को गहराई से समझने का प्रयास करता है। यह प्रक्रिया मस्तिष्क की उन क्षमताओं को विकसित करती है, जो यंत्रवत सूचना को केवल ग्रहण करने से नहीं हो सकतीं। इस विषय में विभिन्न न्यूरो–साइकोलॉजिकल शोधों से यह स्पष्ट हुआ है कि नियमित रूप से पुस्तक पढ़ने वाले बच्चों की स्मरण–शक्ति, संज्ञानात्मक कौशल और भाषा दक्षता, उन बच्चों की तुलना में कहीं बेहतर होती है, जो अधिकांश समय स्क्रीन पर बिताते हैं। भारत में पुस्तक संस्कृति के गिरते ग्राफ को लेकर सबसे बड़ी चिंता यह है कि देश की बहुसंख्यक युवा आबादी की पढ़ने की आदत तेजी से घट रही है। अध्ययन बताते हैं कि औसतन एक भारतीय प्रति वर्ष केवल दो या तीन किताबें ही पढ़ता है। यह संख्या विकसित देशों की तुलना में काफी कम है। हालांकि, भारत में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास और केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय जैसे संस्थान नियमित रूप से पुस्तक मेलों का आयोजन करते हैं। प्रश्न यह है कि क्या यह आयोजन आम जनमानस के भीतर पुस्तकों के प्रति दीर्घकालिक लगाव उत्पन्न कर पाता है? एनबीटी की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में बाल साहित्य की बाजार हिस्सेदारी लगभग 26 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, लेकिन इस साहित्य का ग्रामीण क्षेत्रों और सरकारी स्कूलों में व्यापक प्रसार अब भी सीमित है। बच्चों को बाल साहित्य तक पहुंचाने के लिए स्कूलों और सार्वजनिक पुस्तकालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। 'यू डायस प्लस 2022–23' रिपोर्ट के अनुसार, भारत के सरकारी और निजी स्कूलों के पुस्तकालयों में प्रति छात्र औसतन 3.8 पुस्तकें उपलब्ध हैं। आज जब देश शिक्षा के डिजिटलीकरण की दिशा में तेजी से अग्रसर है, तो यह और अधिक आवश्यक हो जाता है कि हम बच्चों को केवल स्क्रीन पर आश्रित न करें, बल्कि उन्हें संतुलित रूप से डिजिटल और मुद्रित सामग्री के संपर्क में लाएं। वहीं स्कूली पाठ्यक्रमों में रोचक और प्रेरणादायक साहित्य को समाविष्ट करने, स्थानीय भाषाओं में गुणवत्तापूर्ण बाल साहित्य प्रकाशित करने और पुस्तकालयों को नवाचार केंद्र बनाने की आवश्यकता है। कॉपीराइट का मुद्दा भी इस दिवस का एक अहम पक्ष है। डिजिटल माध्यमों पर तेजी से हो रही साहित्यिक चोरी और मूल रचनाओं के अनधिकृत उपयोग ने लेखकों और प्रकाशकों को गंभीर संकट में डाल दिया है।

जन सरोकारों की प्रतिबद्धता हो शासन का लक्ष्य

गुरबचन

मेरे अनुभव के मुताबिक बढ़िया शासन के लिए पैसे की जरूरत नहीं होती। इसके लिए फील्ड और मुख्यालय में प्रभावशाली और ईमानदार अधिकारियों की जरूरत होती है। ऐसे लोग होते हैं, लेकिन उन्हें अवसर नहीं दिया जाता और धीरे–धीरे शीर्ष पर बैठे लोगों की हर कही बात को मान जाने वाले अफसर उनकी आंख के तारे बन जाते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ मेरी एकमात्र शिकायत यह है कि वे खुलकर अपना अधिकार इस्तेमाल नहीं करते, काम की निगरानी नहीं करते, जितना व्यावहारिक दृष्टिकोण होना चाहिए, उतना रखते नहीं। शासन चलाना कोई एक दिन का मामला नहीं है, न ही यह कोई क्षणिक काम है, यह कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं है, यह कोई बहुत बड़ा विज्ञापन नहीं है, यह केवल विज्ञापनों के माध्यम से तमाम त्योहार मनाना नहीं है। यह दिन–प्रतिदिन की मेहनत है, यह दिन–रात किए जाने वाला थकाऊ काम है। इसके तहत आपको सौंपा गया काम करना है और इसे आपने उपलब्ध साधनों से पूरा करना है। यह सुनिश्चित करना कि लोगों को (जिनके कामों के लिए हम बने हैं) सुनवाई के लिए एक जगह से दूसरी जगह न भटकना पड़े। यह सुनिश्चित करना कि फाइलें बिना किसी रिश्वत के खुद–ब–खुद आगे बढ़ें। ऐसा करने की कोशिश करें और लोगों के चेहरों पर संतुष्टि पाएं (हालांकि उन्हें उनका हक देकर आप उन पर अहसान नहीं करेंगे) दृ हां आपने उन्हें 'न्याय और विकास' जरूर दे दिया। वे इलाके से आपके जाने के बाद भी लंबे समय तक आपको याद रखेंगे, लेकिन अधिकांशतः आपका काम गुमनाम और दिखने में सामान्य ही होगा, जैसे किसी सुचारू मशीन के कलपुर्जे३ मर्सिडीज चलाते समय उसका इंजन नहीं दिखता, लेकिन इसको चलाने या सफर का अहसास शानदार होता है। तथ्यों–नियमों के अनुसार न्याय करें और विकास परियोजनाओं को नियमानुसार समय पर पूरा करने में मदद करें। कई अवसरों पर आपकी नौकरी आपको उन परियोजनाओं या घटनाओं का हिस्सा बनने और उनमें योगदान देने का मौका देती है, जो इतिहास में दर्ज हो जाते हैं। ऐसे कई नाम हैं जो हमारी आजादी के शुरुआती सालों का हिस्सा थे – होमी जहांगीर भाभा को हमेशा 'भारतीय परमाणु कार्यक्रम के पितामह' के रूप में याद किया जाता है, पाकिस्तान से आए लाखों शरणार्थियों के पुनर्वास का श्रेय डॉ. एमएस रंधावा (पुनर्वास महानिदेशक) को जाता है जिन्होंने आगे हरित क्रांति और चंडीगढ़ के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ को भारतीय सशस्त्र बलों और 1971 की जीत में उनके अपार योगदान के लिए याद करते हैं। कदाचितद् ये स्वतंत्र भारत के इतिहास के कद्दावर उदाहरण हैं, लेकिन ये ऐसी मिसालें हैं जिन्होंने हमारे प्रारंभिक वर्षों में हमें प्रेरित किया, और वे अकेले नहीं थे। उन्हें अपने–अपने क्षेत्रों के काबिल और काफी प्रेरित अधिकारियों एवं टीम का साथ प्राप्त था। बिना कोई सुरक्षा कवच प्राप्त मेजर कुलदीप सिंह चांदपुरी के नेतृत्व में पंजाब रेजिमेंट की 23वीं बटालियन की 'ए' कंपनी ने अत्यंत भारी पाकिस्तानी हमले (दो टैंक रेजिमेंट) के बावजूद जिस तरह रातभर डटे रहकर लोंगेवाला चौकी को बचाए रखा, उसे सदा भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता और व्यावसायिकता के लिए याद रखा जाएगा। जब मैं पुलिस सेवा में आया तो प्रशासनिक कार्यों में दौरे और नियमित निरीक्षण करना काम का एक अहम हिस्सा थे। तब अधिकारी बहुत छोटी टीमों के साथ काम किया करते थे और बहुत कम या लगभग नगण्य तकनीक उपलब्ध होने के बावजूद बहुत बड़े भौगोलिक क्षेत्र का प्रशासन संभाल लिया करते थे। जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से निर्धारित थी और जवाबदेही भी एक तय चीज थी। उस समय की प्रशासनिक व्यवस्था और अधिकारियों ने अपने मातहतों को काम करने की आजादी सुनिश्चित कर रखी थी और लोग काम करते भी थे। आज जबकि तमाम किस्म की तकनीकें और बुनियादी ढांचा मौजूद हैं, तो हालात देखकर दुख होता है। प्रशासन जोर–जबरदस्ती के दम पर नहीं 'इकबाल' (साख) के जरिए होता है। यह सूक्ति पुरानी सही लेकिन आज और भी उपयुक्त है। बीते वक्त में अधिकारी खुद वस्तुस्थिति का जायजा लेने और जनता से प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए क्षेत्र में समय बिताते थे। नागरिक समाज के सभी स्तरों से सूचना और प्रतिक्रिया पाने वाली एक विस्तृत प्रणाली थी। ईमानदारी से कहूं तो आज सरकार के कितने सचिव या विभागाध्यक्ष अपने विभाग के अंतर्गत चल रही परियोजनाओं को देखने के लिए नियमित रूप से क्षेत्र का दौरा करते हैं? कितने डीएम/एसएसपी अपने कार्यक्षेत्र में एक महीने में दस रातें बिताते हैं या गांवों का दौरा करते हैं। इन्हीं चीजों की बदौलत हमें अपने काम में सफलता मिल पाई थी। आज अधिकारी बिना मतलब के फ्लैग मार्च और प्रेस कॉन्फ्रेंस करने लगते हैं और फोटो खिंचवाते हैं। फ्लैग मार्च कानून–व्यवस्था की स्थिति बहुत गंभीर बनने पर किए जाते हैं, न कि गैंगवार और अपराध के लिए। प्रशासन सुचारू चलाने में तमाम स्तरों पर कार्यप्रणाली पर बारीकी से नजर रखना शामिल है। बात अपने राज्य पंजाब की करें तो, सरदार प्रताप सिंह कैरों ने 1959 में 'बेरका मिल्क प्लांट' की आधारशिला रखी, जो उत्तरी भारत में अपनी किस्म की पहली दुग्ध परियोजना थी और यह देश की सफल सहकारी दुग्ध समितियों में से एक बन गयी।

..... विविध .....

छींकते, खांसते या कूदते समय निकल जाता है यूरिन

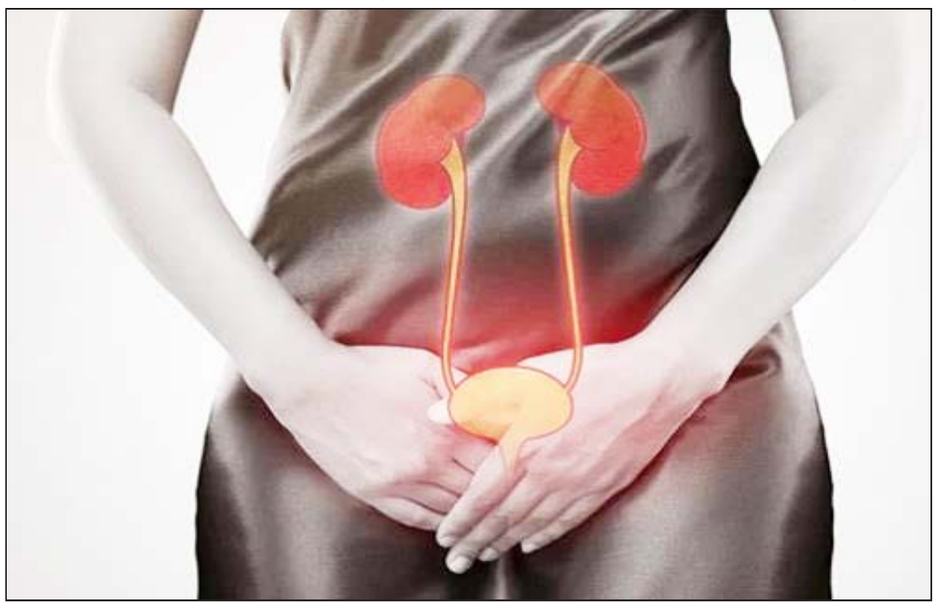

कई बार ऐसा होता है कि एक छोटी सी छींक या अचानक कूदने पर यूरिन लीक हो जाता है। यह समस्या विशेष रूप से महिलाओं में आम देखी जाती है और इससे शर्मिंदगी भी हो सकती है। इस समस्या को यूरिनरी इनकॉन्टिनेंस कहा जाता है, जो पेल्विक फ्लोर मसल्स के कमजोर होने के कारण होती है। हालांकि यह पुरुषों में भी हो सकती है, लेकिन महिलाओं में यह अधिक पाई जाती है। इस बीमारी के दौरान, शरीर में स्टोर यूरिन अचानक से बाहर आ जाता है, खासकर छींकने या हंसने के दौरान और इसे नियंत्रित करना मुश्किल हो जाता है। यदि आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो इससे छुटकारा पाने के लिए कुछ उपाय अपनाए जा सकते हैं। आइए जानते हैं इसके कारण और बचाव के उपाय।

यूरिनरी इनकॉन्टिनेंस के कारण

यूरिनरी इनकॉन्टिनेंस समस्या महिलाओं में आमतौर पर उम्र बढ़ने के साथ बढ़ जाती है। यह मुख्य रूप से 30 से 35 साल की उम्र के बाद देखी जाती है। इसके कई कारण हो सकते हैं प्रसव बच्चे की डिलीवरी के बाद, महिला के शरीर के निचले हिस्से की मसल्स कमजोर हो जाती हैं, खासकर अगर बच्चे का वजन ज्यादा हो या डिलीवरी के दौरान मसल्स पर ज्यादा दबाव पड़ा हो। मोटापा और डायबिटीजरू वजन अधिक होने या डायबिटीज की समस्या के कारण भी यह समस्या उत्पन्न हो सकती है। मांसपेशियों का कमजोर होनारू महिलाओं की पेल्विक फ्लोर मसल्स में कमजोरी, जो प्रेगनेंसी के बाद या उम्र बढ़ने के साथ हो सकती है।

यूरिनरी इनकॉन्टिनेंस के लक्षण

बार–बार पेशाब आनारू अक्सर बहुत अधिक पेशाब की इच्छा होना।

कूदने, हंसने, छींकने या खांसने पर यूरिन लीक होनारू यह सबसे सामान्य लक्षण है।

त्वचा पर जलन महसूस होनारू कभी–कभी पेशाब के दौरान जलन भी हो सकती है।

यूरिनरी इनकॉन्टिनेंस से बचाव

इस समस्या से बचने के लिए पेल्विक फ्लोर एक्सरसाइज बेहद मददगार साबित हो सकती हैं। इन एक्सरसाइज से पेल्विक फ्लोर की मांसपेशियों को मजबूत किया जा सकता है, जिससे यूरिन लीक होने की समस्या कम हो सकती है। लॉन्ग स्क्वीजरू इसमें मसल्स को कुछ देर के लिए संकुचित करके रखा जाता है। इन एक्सरसाइज को नियमित रूप से करने से पेल्विक फ्लोर मसल्स मजबूत होती हैं और इस समस्या से निजात पाई जा सकती है। यूरिनरी इनकॉन्टिनेंस एक आम समस्या है, लेकिन इससे निपटने के लिए सही उपाय और एक्सरसाइज की मदद से इसे कम किया जा सकता है। अगर आप इस समस्या से परेशान हैं, तो पेल्विक फ्लोर एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या में शामिल करें, और अगर समस्या बनी रहती है, तो डॉक्टर से सलाह लें।

दिमाग की नस फटने से 30 मिनट पहले आने लगते हैं ये फस्ट संकेत, तुरंत इलाज की होती जरूरत

दिमाग शरीर का सबसे सेंसेटिव अंग है। दिमाग से जुड़ी कोई दिक्कत हो जाए तो सारी बॉडी गड़बड़ा जाती है। अनहैल्दी लाइफस्टाइल में इन दिनों हाई ब्लड प्रैशर, ब्रेन स्ट्रोक और दिमाग की नस फटने के मामले ज्यादा सुनने को मिल रहे हैं। दिमाग की नस फट जाए तो व्यक्ति की जान भी जा सकती है हालांकि जब दिमाग की नस फटती है पहले कुछ संकेत मिलते हैं जिसे मिनी ब्रेन स्ट्रोक या टीआईए भी कहा जाता है। जब यह दिक्कत होती है तो शरीर एक तरफ से सुन्न होना या कमजोरी, अचानक बोलने में दिक्कत, देखने में परेशानी, चक्कर आना, और तेज सिरदर्द की समस्या हो सकती है।

दिमाग की नस फटने से पहले शरीर कौन–कौन से संकेत देता है?

मिनी स्ट्रोक और एक चेतावनी है कि आपके दिमाग में कोई गंभीर समस्या (जैसे स्ट्रोक या ब्रेन हेमरेज) होने वाली है। यह अस्थायी होता है और 1 से 30 मिनट तक रह सकता है लेकिन इसे हल्के में लेना जानलेवा हो सकता है।

1. शरीर के एक तरफ सुन्नता या कमजोरी

हाथ, पैर या चेहरे का एक हिस्सा सुन्न या ढीला महसूस होना। उस हिस्से में कमजोरी महसूस होना।

कोई भी सामान पकड़ने या चलने में असमर्थता।

चेहरे के एक तरफ मुस्कान ढीली पड़ जाना।

2. बोलने और समझने में कठिनाई

बोलने में और समझने में अचानक कठिनाई आना। शब्द या भाषा समझ ना आने जैसे सही शब्द ना निकल पाना या सामने वाले की बात समझ में ना आना। अचानक मूक (चुप) हो जाना

3. देखने में समस्या

एक या दोनों आंखों से धुंधला या डबल दिखने लगता है।

एक आंख से दिखाई देना बंद हो जाना।

चीजें घूमती हुई या टेढ़ी–मेढ़ी दिखना।

4. संतुलन या चलने में दिक्कत

अचानक चक्कर आना।

संतुलन खोकर गिर जाना।

सीधा चलने में परेशानी।

5. अचानक और तेज सिरदर्द (बिना कारण के)

बहुत तेज, हथौड़े जैसा सिरदर्द। यह सामान्य सिरदर्द जैसा नहीं होता बल्कि "जिंदगी का सबसे खराब सिरदर्द" जैसा महसूस हो सकता है। साथ में जी मिचलाना या उल्टी भी हो सकती है।

6. निगलने या चेहरे की मांसपेशियों में गड़बड़ी

खाना या पानी निगलने में परेशानी।

बोलते या मुस्कुराते समय एक तरफ का चेहरा गिरा हुआ लगना।

मुंह से लार टपकना।

दिमाग की नस फटने का खतरा किन लोगों को ज्यादा होता है?

हाई ब्लड प्रेशर के मरीज

शुगर और कोलेस्ट्रॉल के रोगी

धूम्रपान और शराब का सेवन करने वाले

मोटापा और अनहैल्दी लाइफस्टाइल

जो तनाव और चिंता में रहते हैं।

हार्ट डिजीज या स्ट्रोक का पारिवारिक इतिहास रहने वाले लोगों को इसका खतरा ज्यादा रहता है।

क्या करें अगर कोई लक्षण दिखे?

तुरंत 108 या नजदीकी आपातकालीन सेवा को कॉल करें।

मरीज को बाईं तरफ लिटाएं और सिर ऊंचा रखें।

कुछ भी खाने या पीने के लिए न दें।

मरीज को शांत रखें और खुद घबराएं नहीं।

ब्रेन स्ट्रोक से बचाव कैसे करें?

रोजाना ठच और शुगर की निगरानी रखें।

संतुलित आहार और नियमित व्यायाम करें।

धूम्रपान और शराब से बचें।

तनाव कम करने के लिए मेडिटेशन या योग करें।

साल में एक बार हेल्थ चेकअप जरूर करवाएं।

दिमाग की नस फटने से पहले शरीर चेतावनी देता है। जरूरी है कि हम उन संकेतों को समय पर समझें और तुरंत चिकित्सा सहायता लें। याद रखें, हर मिनट अहम है, और समय रहते कदम उठाने से जान बचाई जा सकती है।

रोज सुबह पी लो ये जूस, बीमारियां रहेंगी दूर और चेहरे पर आएगा निखार

सर्दियों के मौसम में गाजर और चुकंदर का सेवन बहुत लाभदायक माना जाता है। अधिकतर लोग इसे सलाद, सूप या सब्जी के रूप में खाते हैं, लेकिन गाजर और चुकंदर का जूस पीना भी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। यह जूस पोषक तत्वों से भरपूर होता है और कई बीमारियों से बचाव करने में सहायक होता है। लेकिन इसका सेवन सही समय और सही तरीके से करना जरूरी है। आइए जानते हैं कि इसे कब और कैसे पीना चाहिए और इसके क्या–क्या फायदे हैं।

गाजर और चुकंदर का जूस पीने के फायदे

इम्यूनिटी को बढ़ाए

गाजर और चुकंदर के जूस में विटामिन–सी और एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। इसका नियमित सेवन सर्दी–खांसी और अन्य संक्रमण से बचाने में सहायक हो सकता है।

पाचन तंत्र को करे मजबूत

इस जूस में भरपूर मात्रा में फाइबर मौजूद होता है, जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करता है। यह कब्ज, गैस और अपच जैसी समस्याओं को कम करने में सहायक हो सकता है।

वजन घटाने में मददगार

अगर आप वजन घटाना चाहते हैं तो गाजर और चुकंदर का जूस आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जिससे पेट अधिक समय तक भरा रहता है और भूख कम लगती है।

हृदय को रखे स्वस्थ

यह जूस दिल की सेहत के लिए भी लाभदायक है। इसमें मौजूद नाइट्रेट्स ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं और हृदय

लखनऊ व्यापार मण्डल ने आतंकी हमले के विरोध में मशाल जुलूस निकाली, दी श्रद्धांजलि

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। नगर इकाई, यहियागंज बाजार का नेतृत्व अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र,नाका बाजार का नेतृत्व पवन मनोचा, भूतनाथ बाजार का नेतृत्व देवेन्द्र गुप्ता, राजाजीपुरम बाजार का नेत्रत्व उमेश शर्मा, आलमबाग व्यापार मण्डल का नेतृत्व विजय सन्मुख, बुद्धेश्वर से अजय गुप्ता, हंसखेड़ा बाजार का नेतृत्व लल्लन यादव, नटखेड़ा रोड व्यापार मण्डल का नेतृत्व मनीश अरोड़ा,कैन्ट परिक्षेत्र व्यापार का नेतृत्व कुश अरोड़ा, अयोध्या रोड व्यापार मण्डल का नेतृत्व सुहैल हैदर अल्वी, डालीगंज मनीश गुप्ता, मुन्सी पुलिया बाजार का नेतृत्व मनीष वर्मा, अमीनाबद विनोद अग्रवाल अशोक मोतियानी संजय कपूर के नेत्रत्व दवा मार्केट हरीश साह, लाटूस रोड व्यापार मण्डल के सतीश अग्रवाल, हीवेट रोड से अतुल त्रिपाठी, लालबाग से संजीव अग्रवाल, जनपथ रमेश मिश्रा, हजरतगंज से विनोद पंजावी, श्रीराम टावर से नीरज जौहर सदर बाजार से सतवीर सिंह राजू गोमतीनगर से राजेश सोनी चिनहट से शशी शुक्ला के नेत्रत्व में बाजारों से सैकड़ो संख्या में आए हुए व्यापारियों ने पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले के विरोध में लखनऊ व्यापार मण्डल के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र के नेतृत्व में आज शाम 7 बजे गांधी प्रतिमा हजरतगंज जीपीओ पर मशाल जुलूस निकालकर हमले में मारे गये सैलानियों को श्रद्धांजलि देते हुए विरोध दर्ज कराया।

अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा क्या सरकार को नहीं मालूम था कि टूरिस्ट स्पाट पर भीड़ होती है तो फोर्स क्यों नहीं तैनात की थी। सब लापरवाही का नतीजा है, सुरक्षा व्यवस्था की ढील है। इस समय सुरक्षा व्यवस्थ एल.जी के हाथ में उन्हें अपनी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए। राजनैतिक दल केवल बयान बाजी कर कड़ी निदा कर रह जाते है। आतंकवादियों को मारने से कुछ नहीं होगा असली आतंकवादी पाकिस्तान की सेना है ठोकना है तो पाकिस्तान की सेना को ठोंका जाय तभी कुछ होगा, यह हमला इजराइल की तरह जैसे हमास ने किया था तो उत्तर भी उसी इजराइल की तरह देना चाहिए। हम सिर्फ मरने के लिए बने हैं आतंकवादियों द्वारा किये गये क्रूर कृत्य पूर्ण हमले से हम सभी देश वासी अत्यंत शोकाकुल है। परिवार के सामने ही उनके परिवार के सदस्यों के सामने ही कायराना पूर्ण ढंग से किये सामूहिक हत्याकाण्ड ने सभी को झकझोर कर द्रवित कर दिया है आंतकवादियों के इस शर्मनाक एवं निदनीय कृत्य के विरोध मे हम सभी व्यापारी बंधू एक जुटता के साथ पीड़ित परिवारों के इस असीम दुःख में उनके साथ खड़े है।

चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल ने कहा कि कश्मीर में हुए आतंकी हमले की हम सभी व्यापारी समाज कड़ी निदा करता है।

वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा पहलगाम में हुए आतंकी हमले का हम सभी देशवासी कड़ी निदा करते है हम यह उम्मीद करते हैं कि हमारा देश इनको सही सबक सिखायेगा। ऐसे शान्ति नहीं बैठेगा।

देवेन्द्र गुप्ता ने कहा कि इस कायराना पूर्ण हमला है इस हमले में घायल हुए लोगों के लिए अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते है और दिवंगत आत्माओं की शान्ति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करते है।

सचेतक अनिल विरामनी कार्यवाहक अध्यक्ष सतीश अग्रवाल महामंत्री अनुराग मिश्र, अभिषेक खरे, उमेश शर्मा, सुहैल हैदर अल्वी जितेन्द्र सिंह चौहान, ने कहा कि हमारा विरोध आतंकवाद के खिलाफ है जिसका हम लोग पुरजोर विरोध करते है यह घटना अत्यन्त निदनीय है एवं दुःखद है हम ईश्वर से प्रर्थना करते है कि उक्त परिवारों को इस दुःख की घड़ी को सहन करने की सहनशक्ति दे।

सचेतक अनिल विरामनी चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र कार्यवाहक अध्यक्ष सतीश अग्रवाल महामंत्री अनुराग मिश्र, अभिषेक खरे, उमेश शर्मा, जितेन्द्र सिंह चौहान, सुहैल हैदर अल्वी, सुशील तिवारी, मनीष वर्मा, शशि शुक्ला, रामकुमार वर्मा, युवा अध्यक्ष मनीष गुप्ता, युवा वरिष्ठ महामंत्री सुमित गुप्ता प्रियांक गुप्ता,अशोक मोतियानी, भारत भूषण गुप्ता, अनिल बजाज,राकेश छाबड़ा नीरज जौहर रमेश मिश्रा, विनोद पंजाबी, सतनाम सिंह, अजय पिपलानी, केदारनाथ बाजपेई रविन्द्र गुप्ता, आरिफ खां विनोद महेश्वरी, विशाल अग्रवाल, सुरेश कुमार, मनीष वर्मा, लोकराम अग्रवाल, विजय सन्मुख अमित अग्रवाल, सतवीर सिंह राजू, अजय सक्सेना, संजीव अग्रवाल, सोनू घाई सौरभ शर्मा, विशाल कोहली, दीपक सहगल, गौतम आहूज, अरविन्द चौबे, ।,

पुलिस ने पिकप लूटकांड का किया खुलासा,लूटी गई पिकप,स्कार्पियो व एक बदमाश गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के बेलाव पूल के पास सखोई जंगल से एक बदमाश को पुलिस ने लूट की पिकप व स्कार्पियो के साथ एक आरोपी को बुधवार की देर रात को गिरफ्तार कर लिया।

थाना क्षेत्र के बाईपास पर बीते 17 अप्रैल की रात को स्कार्पियो सवार बदमाशों ने चालक को पीटकर पिकप तथा मोबाइल लूट लिया।पिकप चालक वाराणसी के फूलपुर क्षेत्र के पिंडरा निवासी मोहम्मद अली पुत्र महबूब अली अपने पिकप से नंदनी कम्पनी का सोनपापड़ी लेकर शाहगंज कस्बे के मनोज शाह की दुकान पर आया था।वह जब वापस लौट रहा तब स्कार्पियो सवार बदमाशों ने ऊक्त स्थान पर घटना को अंजाम दिया था।चालक ने दूसरे के मोबाइल से घटना की सूचना पुलिस को दिया।घटना के बाद हड़कम्प मच गया था। ।पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ ने घटना के खुलासे के लिए एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में टीमो का गठन किया गया। ।पुलिस की टीम ने पुरे क्षेत्र व शाहगंज से लेकर आजमगढ़ के विभिन्न बाजारों व क्षेत्रों के सीसीटीवी कैमरों को तलाश डाला।इस बीच थानाप्रभारी जयप्रकाश यादव व एसओजी टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि घटना में गौतस्करों के लिए ऊक्त पिकप की रेकी करने वाला शाहगंज कस्बे के सबरहद निवासी सलमान पुत्र फिरोज बेलाव पूल के पास है।थानाप्रभारी जयप्रकाश यादव व एसओजी प्रभारी रामजनम आदि मय फोर्स ऊक्त स्थान पर पहुंच कर मौके से सलमान को गिरफ्तार कर लिया।उसने पुलिस को बेलाव के पास के जंगल मे मौजूद लूट की पिकप तथा घटना में शामिल स्कार्पियो को बरामद करवाया। घटना का गुरुवार को खुलासा करते हुए एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि घटना में जफराबाद प्रभारी जयप्रकाश यादव,व एसओजी टीम द्वारा सीसीटीवी कैमरों के फुटेज से पता चला कि पिकप लूट के बाद आजमगढ़ की तरफ गयी थी।उन्होंने यह भी बताया कि घटना का मुख्य अभियुक्त दिलशाद पुत्र सगीर निवासी सफीगढ़ थाना अहिरौला जनपद आजमगढ़ जल्द ही जेल से बाहर आया था।उसने सलमान से गोतस्करी के लिए कोई पिकप रेकी करने को कहा था।सलमान ने रेकी करके ऊक्त पिकप को लूटने में मदद किया।घटना में शामिल अन्य बदमाशों को पुलिस जल्द ही गिरफ्तार करेगी।

डॉक्टरों ने सर्जरी कर निकाला बाहर, झगड़े में लगा था

लखनऊ, (संवाददाता)। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्व विद्यालय (केजीएमयू) के डॉक्टरों ने दूरबीन विधि (लैप्रोस्कोपिक सर्जरी) से सर्जरी कर युवक के सीने में फंसे चाकू को सफलतापूर्वक निकालने में सफलता प्राप्त की है। हमले के दौरान युवक के सीने में करीब पांच इंच लंबा चाकू फंस गया था और वहीं टूट गया था। ऐसी गंभीर स्थिति में जान बचाना बेहद मुश्किल था, लेकिन केजीएमयू के चिकित्सकों ने ऑपरेशन कर युवक को नया जीवन दे दिया। ट्रॉमा सर्जरी विभाग के डॉ. समीर मिश्रा ने बताया कि 11 अप्रैल को गोरखपुर निवासी छोटू आपसी विवाद में हुई लड़ाई के दौरान चाकू लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें तत्काल गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक ऑपरेशन हुआ। इसके बाद जब दोबारा एक्सरे किया गया तो पता चला कि चाकू का लगभग पांच इंच लंबा हिस्सा फेफड़े को चीरते हुए सीने में फंसा हुआ है। यह स्थिति जानलेवा थी, इसलिए उन्हें केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया।17 अप्रैल की रात ट्रॉमा सेंटर में डॉ. रमवित द्विवेदी और डॉ. ताहिर ने छोटू की जांच की और वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अनीता सिंह को इसकी सूचना दी। डॉ. अनीता सिंह ने कार्डियोलॉजी, थोरेसिक और वैस्कुलर सर्जरी विभाग के विशेषज्ञों से विचार–विमर्श किया। टीम ने तय किया कि ओपन सर्जरी के बजाय दूरबीन विधि से ऑपरेशन किया जाएगा। सफल सर्जरी के बाद अब छोटू स्वस्थ हो रहे हैं। केजीएमयू की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद ने इस उत्कृष्ट कार्य के लिए पूरी चिकित्सकीय टीम को बधाई दी है।

संक्षिप्त समाचार

चरित्र सत्यापन–स्वास्थ्य परीक्षण शुरू, सामान्य प्रशिक्षण और 9 महीने की ट्रेनिंग का शेड्यूल

लखनऊ , (संवाददाता)। सिपाही नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया के तहत चयनित अभ्यर्थियों का चरित्र सत्यापन और स्वास्थ्य परीक्षण मंगलवार से शुरू हो गया। सभी जिलों में अभ्यर्थियों ने अपने चरित्र प्रमाण पत्र जमा कराने शुरू कर दिए हैं। बता दें कि उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा परीक्षा का अंतिम परिणाम जारी करने के बाद अब जिलों को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। करीब एक माह तक होने वाली इस कवायद के बाद चयनित रिक्रूट्स को जेसीटी के लिए भेजा जाएगा। राजधानी में पुलिस लाइंस में 40 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया, जिसमें से दो को स्वास्थ्य परीक्षण के लिए मंडलीय चिकित्सा बोर्ड रेफर किया गया है। आईजी स्थापना द्वारा सभी पुलिस कमिश्नर और जिलों के कप्तानों को भेजे पत्र के मुताबिक चयनित अभ्यर्थियों का चिकित्सा परीक्षण और चरित्र सत्यापन का कार्य पूरा होने के बाद 17 जून से जिलों में चयनित अभ्यर्थियों का सामान्य प्रशिक्षण कराया जाएगा, जिसमें उन्हें पुलिस के कामकाज आदि के बारे में बताया जाएगा। इसके लिए अभ्यर्थियों के ठहरने आदि की व्यवस्था करने को कहा गया है। इसके बाद 21 जुलाई से सभी चयनित अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण केंद्रों में भेजा जाएगा, जहां 9 माह तक उन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके लिए प्रशिक्षण निदेशालय ने भी अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रशिक्षण केंद्रों की क्षमता को ढाई गुना बढ़ाया जा चुका है, जिससे वर्तमान में प्रदेश में 60,600 सिपाहियों को एकसाथ प्रशिक्षण दिया जा सकता है।

हादसा रोकने को बारिश से पहले स्ट्रीट लाइट के खुले तारों की होगी टेपिंग

लखनऊ , (संवाददाता)। दो साल में स्ट्रीट लाइट के पोल में करंट उतरने से आलमबाग क्षेत्र में एक छात्रा की जान गई थी। इसको देखते हुए नगर निगम ने इस बार अभी से बचाव को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। उसके लिए शहर में स्ट्रीट लाइट के पोलों के खुले तारों को बंद करने का काम बुधवार से शुरू किया गया है। शहर के करीब दो लाख स्ट्रीट लाइट के पोल हैं। इनमें कई जगह पेालों के स्वीच बाक्स टूटे हैं और तार बाहर निकले हैं। इसके कारण बीते दो साल में दो हादसे हुए। इनमें जहां करीब दो साल पहले आलमबाग में जहां एक छात्रा की जान गई वहीं बीते साल शंकपुरवा के गायत्रीपुरम में एक बच्चे की जान गई थी। इसके बाद नगर निगम ने पूरे शहर में स्ट्रीट लाइट के पोलों के खुले तारों को ढंकने का अभियान चलाया था। जो टेपिंग की थी वह उखड़ने लगी है। जिसको देखते हुए अब फिर से टेपिंग की जाएगी। मुख्य अभियंता मार्ग प्रकाश विभाग मनोज प्रभात ने बताया कि पूरे शहर में स्ट्रीट लाइट के पेालों का टीम निरीक्षण करेगी और यदि कहीं पर तार खुले हैं तो उनकी टेपिंग करेगी। इसको लेकर बुधवार सुबह बालाकदर रोड स्थित मार्ग प्रकाश कार्यालय पर कर्मचारियों को जागरूक भी किया गया कि उनको टेपिंग के निर्देश दिए गए और काम भी शुरू कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

अब प्रदेश के इन कर्मचारियों का बढ़ा महंगाई भत्ता, एक साथ डीए में हुई 11 और छह फीसदी की बढ़ोत्तरी

लखनऊ , (संवाददाता)। सरकार ने मंगलवार को प्रदेश में पांचवां और छठा वेतनमान पाने वाले राज्य कर्मचारियों का महंगाई भत्ता क्रमशः 11 फीसदी और 6 फीसदी बढ़ा दिया है। इनमें सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं, शहरी स्थानीय निकायों के पूर्णकालिक कर्मचारियों और यूजीसी वेतनमान प्राप्त करने वाले कर्मचारी शामिल हैं। इसके तहत पांचवां वेतनमान पाने वाले कर्मियों को अब 455 फीसदी की जगह 466 फीसदी और छठा वेतनमान पाने वाले कर्मियों को अब 246 फीसदी की जगह 252 फीसदी महंगाई भत्ता मिलेगा। बढ़ी हुई दर एक जनवरी 2025 से लागू होगी। एक जनवरी से 31 मार्च 2025 तक की देय अवशेष राशि कर्मचारी के भविष्य निधि खाते में जमा होगी। वहीं राष्ट्रीय पेंशन योजना के तहत आने वाले कर्मचारियों की उपरोक्त अवधि की महंगाई भत्ते की 10 फीसदी राशि उनके पेंशन खाते में जमा की जाएगी जबकि 14 फीसदी राशि राज्य सरकार द्वारा जमा की जाएगी। शेष 90 फीसदी राशि कर्मचारियों के पीपीएफ खाते में जमा की जाएगी। वहीं प्रदेश में कार्यरत सिविल सेवा के अफसरों को भी दो फीसदी बढ़े महंगाई भत्ते का मंगलवार को आदेश जारी हो गया। इन अफसरों को अब 53 फीसदी की जगह 55 फीसदी महंगाई भत्ता मिलेगा। यह भी एक जनवरी 2025 से प्रभावी होगा।

अनुशासनहीनता में छात्र निलंबित

लखनऊ , (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय में एलएलबी दूसरे सेमेस्टर के छात्र अर्जुन प्रजापति को अनुशासनहीनता के आरोप में निलंबित कर दिया गया। जांच अवधि तक छात्र का छात्रावास आवंटन निरस्त करते हुए दोनों परिसरों में प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसके साथ ही पत्र मिलने के तीन दिन के भीतर कुलानुशासक कार्यालय में लिखित स्पष्टीकरण देने का आदेश दिया गया है। ऐसा न करने पर माना जाएगा कि छात्र को अपने बचाव में कुछ नहीं कहना है। फिर उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी ने इस संबंध में आदेश जारी किया है।

अंतिम वर्ष के सात हजार से ज्यादा छात्रों को झटका

लखनऊ, (संवाददाता)। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) ने अंतिम वर्ष के सात हजार से ज्यादा छात्रों को झटका दिया है। विवि प्रशासन ने पूर्व में घोषित निर्णय को बदलते हुए अब इन विद्यार्थियों की स्पेशल कैरी ओवर परीक्षा भी ऑफलाइन कराने का फैसला लिया है। इसके लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने में अभी समय लगेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने फाइनल ईयर के छात्रों को राहत देने के लिए पूर्व में स्पेशल कैरी ओवर परीक्षा ऑनलाइन कराने का निर्णय लिया था। विवि का कहना था कि इससे परीक्षा के आयोजन में समय कम लगेगा और परिणाम भी जल्द आएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने एजेंसी आदि के चयन में लगभग तीन महीने का समय लगाया। इस दौरान छात्र लगातार जल्द से जल्द परीक्षा कराने की मांग कर रहे थे। इसके लिए वे सोशल मीडिया में अभियान चलाने के साथ विवि प्रशासन पर वादाखिलाफी का आरोप लगा रहे हैं। इस बीच विश्वविद्यालय प्रशासन एमसीक्यू आधारित कैरी ओवर परीक्षा कराने का प्रस्ताव परीक्षा समिति, विद्या परिषद से पास कराने के बाद कार्य परिषद में लेकर गया। हालांकि, कार्य परिषद ने इस पर सहमति नहीं दी। कार्य परिषद ने यह कहते हुए प्रस्ताव वापस कर दिया कि इसकी आवश्यकता के लिए कमेटी बनाकर गुणवत्ता व कठिनाई के स्तर पर पूरा प्रस्ताव बनाकर दोबारा विद्या परिषद में रखा जाए।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद यूपी में हाई अलर्ट, बस–रेलवे स्टेशनों के साथ नेपाल सीमा पर चौकसी बढ़ी

लखनऊ , (संवाददाता)। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद यूपी में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा हमले

के बाद सभी राज्यों को अलर्ट पर रहने को कहा गया है। सूत्रों की मानें तो सभी कमिश्नरेट और जिलों को संदिग्धों पर नजर रखने को कहा गया है। साथ ही, प्रमुख धार्मिक स्थलों, पर्यटन केंद्रों, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों, हवाई अड्डों आदि की निगरानी बढ़ा दी गई है। देर शाम डीजीपी प्रशांत कुमार की अध्यक्षता में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में इस बाबत अहम दिशा–निर्देश भी दिए गए हैं। वहीं नेपाल सीमा पर भी चौकसी बढ़ाई गई है। तीन जुलाई से शुरू होने जा रही श्री अमरनाथ यात्रा से पहले मंगलवार को आतंकियों ने जम्मू–कश्मीर में बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। दहशतगर्दों ने दक्षिण कश्मीर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम की बायसरन घाटी में पर्यटकों के एक समूह पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। सूत्रों के अनुसार, हमले में 26 लोगों की मौत हो गई, इसमें दो विदेशी नागरिक भी हैं। हालांकि पुलिस ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। घायलों को एयरलिफ्ट कर श्रीनगर आर्मी अस्पताल ले जाया जा रहा है। आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से फोन पर बात की। गृह मंत्री ने सुरक्षा एजेंसियों के साथ तत्काल आपात बैठक बुलाई। शाह पहलगाम का दौरा कर हालात का जायजा लेने जा रहे हैं। बताया जा रहा है पहलगाम से 10 किलोमीटर दूर बायसरन घाटी में दोपहर को दहशत फैल गई। हरेभरे घास के मैदान गोलियों की तड़तड़ाहट से गूज उठे। घास के मैदानों की साइट पर बनी चाय की दुकानों के पीछे से अचानक आए आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इससे अफरातफरी मच गई। घटनास्थल के कुछ वीडियो सामने आए हैं। चार लोग जमीन पर पड़े दिखाई दे रहे हैं, जिनमें एक बच्चा भी है, जबकि कुर्सी पर बैठा एक व्यक्ति खून से लथपथ है। वीडियो में दो महिलाएं मदद की गुहार लगाती नजर आ रही हैं। एक स्थानीय उन्हें दिलासा दे रहा है।

सीतापुर के नये एसपी बने अंकुर अग्रवाल, चार जिलों के एसपी बदले

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश शासन ने देर रात आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया है। पुलिस अधीक्षक सीतापुर चक्रेश मिश्र को एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का एसपी बनाया गया है। वहीं, एसपी बांदा रहे अंकुर अग्रवाल को सीतापुर का एसपी बनाया गया है। अंकुर अग्रवाल 2016 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वहीं, पलाश बंसल बांदा और प्रबल प्रताप सिंह महोबा के पुलिस अधीक्षक नियुक्त किए गए हैं। वहीं, पलाश बंसल बांदा और प्रबल प्रताप सिंह महोबा के पुलिस अधीक्षक नियुक्त किए गए हैं। अभिषेक सिंह पीलीभीत के पुलिस अधीक्षक बनाए गए हैं। हरियाणा के अंबाला के मूल निवासी अंकुर अग्रवाल के आईपीएस बनने की कहानी भी बड़ी दिलचस्प बताई है। अंकुर अग्रवाल की प्राथमिक शिक्षा अंबाला से हुई। इसके बाद उन्होंने इलेक्ट्रिक एंड इलेक्ट्रॉनिक ट्रेड से बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग की पढ़ाई और बंगलुरू में सॉफ्टवेयर कंपनी में लाखों के पैकेज की

नौकरी की। नौकरी के दौरान ही कंपनी ने उन्हें अमेरिका भेज दिया और वहां उन्होंने नौकरी के साथ ही यूपीएससी की तैयारी शुरू कर दी। अपने पहले ही प्रयास में आईपीएस बनकर देश सेवा का संकल्प लिया। अंकुर अग्रवाल की पत्नी वृंदा शुक्ला भी आईपीएस हैं। अंकुर और वृंदा ने प्राथमिक शिक्षा एक ही स्कूल से की है, इसके बाद दोनों एक दूसरे से अलग हो गए और वृंदा अमेरिका चली गई। किस्मत ने एक बार फिर से पलटी मारी और अंकुर की कंपनी ने उन्हें भी अमेरिका भेज दिया। इसके बाद दोनों की मुलाकात हुई और दोनों ने यूपीएससी की परीक्षा पास करने का प्रण कर लिया और काम के साथ ही परीक्षा की तैयारी में जुट गए। गौरतलब है कि वृंदा शुक्ला 2014 बैच की आईपीएस हैं। वहीं, अंकुर अग्रवाल उनसे दो साल जूनियर 2016 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। आईपीएस बनने के बाद दोनों ने शादी करने का फैसला लिया और विवाह बंधन में बंध गए।

शहर के मेधावियों ने किया लखनऊ का नाम रोशन, कुमुद को 69 वीं और प्रशांत को 102वीं रैंक

लखनऊ , (संवाददाता)। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने मंगलवार को सिविल सेवा परीक्षा 2024 का बहु प्रतीक्षित परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया। इसमें कुमुद मिश्रा ने 69 रैंक, प्रशांत सिंह ने 102 रैंक, रजत सिंह ने 132 रैंक, अनुश्री सचान ने 220 रैंक, आकाश निगम ने 418 रैंक और उत्कर्ष नारायण ने 850 रैंक हासिल करके लखनऊ का नाम रोशन किया। संघ लोक सेवा आयोग की ओर से जारी की गई सूची में अलग–अलग सेवाओं के लिए चयनित 1,009 अभ्यर्थियों के नाम शामिल हैं। सफलता हासिल करने वाले इन होनहारों ने अमर उजाला से बातचीत में कहा कि यूपीएससी का लक्ष्य कठिन जरूर हो सकता है, लेकिन असंभव नहीं। युवाओं को परीक्षा पैटर्न और सिलेबस समझकर तैयारी शुरू करनी चाहिए। पेश है मेधावियों की बातचीत– मैंने लखनऊ विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान

में स्नातक किया। यूपीएससी की परीक्षा में 69वीं रैंक लाकर आईएएस बनने का यह ख्वाब दूसरे प्रयास में पूरा हुआ है। पहले प्रयास में 259वीं रैंक लाकर भारतीय राजस्व सेवा के लिए चयनित हुई थी, जिसका मलाल था। नौकरी ज्वाइन कर अवैतनिक अवकाश लेकर दोबारा तैयारी शुरू की और आईएएस बन गई। पिता बीएस मिश्रा भारतीय सेना में कैप्टन पद से रिटायर्ड हैं और मां इंदु देवी गृहिणी हैं। इंटरमीडिएट की पढ़ाई केंद्रीय विद्यालय से की है। सफलता का श्रेय परिवार और अथक परिश्रम को जाता है। यूपीएससी परीक्षा नहीं एक कठिन साधना है। असफल होने पर भी डटे रहना है, हार नहीं मानना है। इसी मूल मंत्र ने चौथे प्रयास में मुझे सफलता हासिल करवाई। पहले दो प्रयासों में तो प्रीलिम्स भी नहीं निकला और तीसरे में इंटरव्यू के बाद भी चयनित नहीं हुआ। चौथे में प्रयास में उतनी ही ऊर्जा से प्रतिदिन आठ घंटे मेहनत की और सफलता का आकाश छू लिया। स्कूली शिक्षा सीएमएस अलीगंज शाखा हुई। स्नातक दिल्ली विश्वविद्यालय से किया। पिता सुशील सिंह सरकारी सेवा में मां कनकलता गृहणी हैं। मूल निवासी जौनपुर जिले के खलीलपुर गांव के हैं, घर में एक छोटी और एक बड़ी बहन है। वह भी प्रशासनिक सेवा की तैयारी कर रही हैं। आईएएस बनने का ख्वाब बुन रहे युवाओं से कहूंगा मेहनत ईमानदारी से करें, सफलता वही दिलाएगी। मूलतरू लखीमपुर खीरी जिले का रहने वाला हूं। लखनऊ में राजाजीपुरम सी ब्लॉक में रहकर कक्षा 9वीं से 12वीं तक पढ़ाई की। इसके बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक किया। अभी जेएनयू से राजनीति विज्ञान में एमए कर रहा हूं। पिता विजय प्रकाश निगम व्यवसायी और माता शीला निगम आंगनबाड़ी सहायिका हैं। मेरा चयन प्रथम बार में ही हुआ है। यूपीएससी की तैयारी करने वाले छात्रों को सलाह देना चाहूंगा कि वह पहले परीक्षा पैटर्न और सिलेबस समझें। बेसिक्स क्लियर रखें। रोजाना पढ़ाई पर ध्यान दें। पढ़ाई के दौरान नियमित अध्ययन के क्रम को टूटने नहीं दिया। यही कारण रहा कि इस बार 850वीं रैंक हासिल हुई। इससे पूर्व में 2020 में संघ सेवा में चयनित हुआ था। वर्तमान में सहायक सुरक्षा आयुक्त रेलवे सुरक्षा खड़गपुर के पद पर तैनात हूं। सीतापुर जिले के रोटी गोदाम का रहने वाला हूं और लखनऊ के केशव नगर में मकान है। स्नातक की पढ़ाई हिंदू कॉलेज दिल्ली से की है। पिता स्व. प्रेम नारायण का गत वर्ष निधन हो गया था और मां पूनम नारायण गृहिणी हैं। तैयारी करने वाले युवाओं को कहूंगा कि वह उसी विषय का चयन करें जिसमें उनकी पैठ हो और उन्हें वह अच्छा लगता हो।

पहलगाम हमले के विरोध में प्राथमिक विद्यालय में मोमबत्ती जला दी गई श्रद्धांजलि

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में परिषदीय विद्यालयों में शोक की लहर दिखी। विरोध के इसी क्रम में आज प्राथमिक विद्यालय ताहिरपुर में खंड शिक्षा अधिकारी अजीत सिंह व प्रधानाध्यापक व प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह विद्यालय के शिक्षकों और बच्चों के साथ स्वामी विवेकानंद हाल में मोमबत्ती जलाकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। लोगों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

इस मौके पर बीइओ अजीत सिंह ने कहा कि इस तरह की घटनाएं समाज और देश के लिए घातक हैं, दोषियों को जल्द सख्त से सख्त सजा दी जाए। उन्होंने इस दौरान शांति और एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पूरे समाज को मिलकर ऐसी हिंसा के खिलाफ खड़े होना होगा। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापक व प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह ने कहा कि यह हमला देश की एकता और मानवता पर सीधा हमला है। मजहब के नाम पर की गई हत्याएं मानवता पर कलंक हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि आतंकवाद के खिलाफ कठोर कार्रवाई कर दोषियों को सजा दी जाए।

जम्मू कश्मीर आतंकी हमले के विरोध में अधिवक्ताओं नेव किया प्रदर्शन फूंका पूतला

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जम्मू–कश्मीर के पहलगांव में हुए आतंकी हमले में हिंदू पर्यटकों की हत्या के विरोध में जौनपुर में कलेक्ट्रेट अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष घनश्याम सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों अधिवक्ताओं ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान मुरादाबाद के नारे लगाए और पाकिस्तान का पुतला दहन किया। इस दौरान सैकड़ों अधिवक्ताओं ने एकजुट

होकर इस घटना का विरोध जताया। अधिवक्ताओं ने बताया कि पहलगाम में आतंकियों ने हिंदू पर्यटकों की पहचान कर करीब 27 लोगों की हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि इस घटना से पूरा देश आहत है। प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए और पाकिस्तान का पुतला दहन किया। उन्होंने मांग किया कि जल्द से जल्द सरकार सभी आतंकवादीयो को मार गिराए जिससे हमारे हिन्दू भाईयों की आत्मा को शांति मिल सके।

एमिटी विद्यालय ,विराजखण्ड –५ में विद्यार्थियों के सृजनात्मक विकास हेतु

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। ष्लेखनी मात्र व्यक्तित्व का ही निर्माण नहीं करती अपितु विचारात्मक नव गाथा की नींव भी रखती है द्य ष इस विचार से अभिप्रेरित एमिटी विद्यालय की संस्थापिका महोदया – सुश्री , अमिता चौहान जी के प्रेरणाप्रद नेतृत्व से एमिटी विद्यालय ,विराजखण्ड –५, लखनऊ शाखा में दिनांक – २४ध्०४ध्२५ को ,वर्ष २०२४ –२०२५ ग्लोबल टाइम्स समाचार पत्र के, चतुर्थ संस्करण के उपलक्ष्य में ,विद्यालय प्रांगण में श्प्रतियोगिता

संस्करण श नामक कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया द्य कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय की कुशल तथा कर्मठ प्रधानाचार्या के करकमलों द्वारा द्वीपप्रज्ज्वलन कर किया गया , इस अवसर पर सभी शिक्षकगण व विद्यालय के छात्रजनों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई द्य नृत्य ,प्रश्नवाली प्रतियोगिता , छात्र लेखन अनुभव से होने वाले सकारात्मक परिवर्तनों को मंच से साझा किया गया द्य विद्यालय की अंग्रेजी विषय की कुशल शिक्षनेत्री सुश्री निधि बर्थवाल जी ने प्रतिभागी छात्रों को नव रचनात्मक लेखन हेतु प्रेरित करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया द्य कार्यक्रम का समापन विद्यालय की कुशल प्रधानाचार्या –सुश्री ,रचना मिश्रा जी के धन्यवाद प्रस्ताव द्वारा किया गया ,जिसके माध्यम से उन्होंने नवीन सृजनात्मक व विचारात्मक क्षमताओ से युक्त छात्रों को अपने आशीष द्वारा अभिप्रेरित किया ।

राज्य आयुक्त दिव्यांगजन की अध्यक्षता मे मोबाइल कोर्ट का हुआ आयोजन

अयोध्या। गुरुवार को सर्किट हाउस सभागार में राज्य आयुक्त,दिव्यांगजन हिमांशु शेखर की अध्यक्षता में न्यायालयध् मोबाइल कोर्ट का आयोजन किया गया।इस मौके पर विभिन्न तहसीलों से आए दिव्यांग जनों की समस्याओं को उन्होंने गंभीरता पूर्वक सुना तथा उनकी समस्याओं का निराकरण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।इस मौके पर दिव्यांग जनों की खास कर समस्याएं आवास,दिव्यांगता प्रमाण पत्र, निर्गत किये जाने, विद्युत, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास, रास्ता,राशन कार्ड,पेयजल, दिव्यांग पेंशन, कृत्रिम अंग सहायक उपकरण, दुकान संचालन ऋण आदि के सम्बन्ध में लगभग 124 से अधिक मामले आए।इसके निस्तारण के लिए वहां पर मौजूद राज्य आयुक्त दिव्यांग हिमांशु शेखर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

सिविल सर्विसेज सेवा परीक्षा-2024 में चयनित अभ्यर्थी तथा उनके परिजनों को अंगवस्त्रम और पुष्पगुच्छ देकर डीएम ने किए सम्मान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 24 अप्रैल,जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में सिविल सर्विसेज सेवा परीक्षा–2024 में चयनित अभ्यर्थी तथा उनके परिजनों को अंगवस्त्रम और पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया। जिलाधिकारी ने परीक्षा में 78वी रैंक प्राप्त करने वाले अभिषेक सिंह को सम्मानित करते हुए कहा कि आने वाले समय में उत्कृष्ट कार्य करते हुए सफलता के शिखर को प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि मा. मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में जनपद में कृषि, स्वास्थ्य, खेल, उद्यम या प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी लोगों के सम्मान और उनकी सफलता की खुशी में जिला प्रशासन सदैव उनके साथ रहता है और उसी प्रकार जनपदवासियों के कष्ट की घड़ी में भी संवेदनशीलता के साथ हमेशा उनके साथ खडाध् रहता है। यह बेहद खुशी की बात है कि प्रशासनिक सेवा में जनपद के कई अभ्यर्थियों ने सफलता अर्जित कर जनपद का नाम रोशन किया है। जनपद जौनपुर के अनगिनत लोग सिविल सर्विसेज की परीक्षा पास कर बड़े–बड़े प्रतिष्ठित पदों को सुशोभित कर रहे हैं। आज चयनित अभ्यर्थियों को इस उददेश्य से सम्मानित किया जा रहा कि अन्य छात्र–छात्राएं, जो प्रतियोगी परीक्षाओ की तैयारी कर रहे है अथवा सम्मिलित होने की तैयारी कर रहे है वे इनसे प्ररेणा ले और अधिक ऊर्जा के साथ मेहनत करे और सफलता प्राप्त करें। जिलाधिकारी ने जनपद के सभी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को बधाई देते हए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की । इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय चयनित अभ्यर्थियों के परिजन अखिलेश सिंह, पूनम सिंह, के0 के0 सिंह, सी0डी सिंह और प्रदीप सिंह, डा0 सुर्यप्रकाश सिंह मुन्ना, सहित अन्य उपस्थित रहे।

चौक पार्क का होगा सुंदरीकरण ,एक बार फिर चालू होगा फौव्वारा

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। नगर का ह्रदय जमुनियाबाग तिराहा पर उप सभापति राजेश गौड़ एवं अपर नगर आयुक्त बागीश शुक्ल की अगुआई में नगर निगम की टीम मौजूद रही। इसी बीच महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी पहुंचते हैं। यहां भ्रमण शुरू होने के पहले ही अरुण कुमार अरोड़ा नाली बनवाने के लिए महापौर एवं पार्षद का आभार जताते हैं और लाइट गेट के पीछे नाले की सफाई कराने का आग्रह करते हैं।इसके बाद काफिला चौक की ओर चल पड़ता है।चंद कदम की दूरी तय करते ही सेंट्रल बैंक के सामने नाली भठी दिखती है।महापौर तुरंत मुख्य सफाई निरीक्षक कमल कुमार को बुलाते हैं और उनसे कारण पूछते हैं।वह नाली पर अतिक्रमण होने की बात कहते हैं, जिस पर अतिक्रमण हटवाने एवं सफाई तत्काल कराकर मुख्य नाली से जोड़ने की हिदायत देते हैं। कोठा पार्चा में सफाई कर्मी अपने काम में तल्लीन दिखते हैं। इसके बाद चौक पहुंचने पर घंटाघर के पहले कार्नर पर रखे विशालकाय कूड़ादान को हटवाकर वहां सफाई करवाने एवं बैरीकेडिंग कराने, घंटाघर पर लाइट लगवाकर खूबसूरती बढ़वाने का निर्देश देते हैं। इस बीच चौक पार्क में लगे नेडा के जलप्याऊ पर निगाह पड़ती है। वह बटन दबाकर चेक करते हैं तो पानी नहीं आता। फौव्वारा भी बंद मिलता है।इससे उनका पारा सातवे आसमान पर चढ़ जाता है।इसके लिए जिम्मेदार अमले को कारण बताओ नोटिस जारी करने को कहते हैं।अब तक लाइटगेट पहुंच चुके महापौर नाला साफ करने एवं टूटे पत्थरों को बदलने का निर्देश देते हैं। कई जगह नाली खुली देखकर पत्थर रखवाने की हिदायत महापौर ने दी। सड़क के बाईं पड़े खंभे व केबल को हटवा कर सफाई कराने के निर्देश सहायक नगर आयुक्त गुरु प्रसाद पांडेय को दिए। थोड़ा आगे बढ़ने पर एक प्लांट में कुछ गाड़ियां खड़ी थीं। इस पर महापौर ने उसे रेगुलराइज कर पार्किंग का बोर्ड लगाने का निर्देश दिया।यहां महापौर ने एक घर का दरवाजा खटखटाया तो बाहर आए गृह स्वामी सफाई को लेकर संतोष जताया। उन्होंने हैंडपंप चलाकर जांच की। पूर्व पार्षद संग्राम सिन्हा के साथ बाल सुधार गृह के बगल स्थित सुलभ शौचालय जाकर सफाई की स्थिति देखी। यहां चौक से लाइट गेट मार्ग पर संकेतक लगवाने और महिलाओं के लिए पिंक शौचालय बनवाने का निर्देश दिया।कोठा पार्चा में सीवर डालने का सुझाव रामजी महिंद्रा ने दिया। इस पर मेयर ने सहायक अभियंता राजपति यादव को स्टीमेट बनाने का निर्देश दिया। वार्ड की तमाम समस्याओं से रूबरू होने के बाद काफिला गुरुनानक देव वार्ड की ओर मुड़ जाता है। अब तक काफिले में पार्षद अमित गुप्त भी शामिल हो चुके थे। यहां नाली में एंटी लार्वा डाला जा रहा था, जिस पर उन्होंने संतोष जताया। हैदरगंज की गली में बढ़ने पर रामाश्रय चौहान ने शिवबरन यादव का मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाने का आग्रह किया। रमना जाने वाले मार्ग पर अतिक्रमण किए जाने की शिकायत आलोक श्रीवास्तव सहित कई लोगों ने की। मौके पर बड़ी तादाद में सड़क पर कबाड़ रखे दिखे। इस पर महापौर ने अतिक्रमण हटवाने का निर्देश दिया। यहां की गलियों में कई जगह अतिक्रमण की शिकायत मिली और नाला जाम दिखा। उन्होंने सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण का सिलसिला दो घंटे से अधिक चला। इस दौरान महापौर ने पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने, क्षतिग्रस्त नाली की मरम्मत कराने, मार्गों पर टूटी पटिया बदलवाने एवं अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया।नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पांडेय ने बताया कि इस मौके पर नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राममणि शुक्ला, भाजपा के मंडल अध्यक्ष हेमंत जायसवाल, अमरेंद्र सिंह कर्फ्यू, सुबोध चतुर्वेदी, आकाश यादव, पूर्व पार्षद अनुभव जायसवाल, अवनीश द्विवेदी, प्रांशु अग्रवाल, राम की घर संस्था की प्रमुख एकता भटनागर भी साथ रहे और नगर के विकास को लेकर सुझाव दिए।

पुलकित खरे ने उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के मिशन निदेशक का पदभार संभाला

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलकित खरे ने उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के नवनियुक्त मिशन निदेशक के पद का कार्यभार ग्रहण करने के बाद गुरुवार को लखनऊ स्थित मिशन मुख्यालय में आयोजित परिचय सत्र में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त कर उनकी जिम्मेदारियों की जानकारी ली। उन्होंने मुख्यालय स्थित विभिन्न प्रकोष्ठों का निरीक्षण भी किया तथा मिशन की कार्यप्रणाली और भविष्य की योजनाओं की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। परिचय सत्र में अपर मिशन निदेशक प्रिया सिंह सहित मिशन से जुड़े अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। मिशन निदेशक पुलकित खरे ने अपने सेवाकाल में अलीगढ़ में संयुक्त मजिस्ट्रेट, फिर अलीगढ़, बुलंदशहर, शाहजहाँपुर और वाराणसी में मुख्य विकास अधिकारी के रूप में कार्य किया। इसके पश्चात् उन्होंने वाराणसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, हरदोई, पीलीभीत और मथुरा के जिलाधिकारी, उत्तर प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के सीईओ, ग्रेटर नोएडा के एसीईओ तथा नियोजन विभाग में विशेष सचिव जैसे उत्तरदायित्वपूर्ण पदों पर कार्य किया।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अवध प्रांत के अध्यक्ष एवं कानपुर प्रांत के संगठन मंत्री कर्नल बीरेंद्र सिंह तोमर, कर्नल आर वी सिंह संरक्षक,सूबेदार मेजर बीएल वर्मा यूपी अध्यक्ष,सूबेदार अशोक पाण्डेय कोषाध्यक्ष,अवध प्रांत के अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के पदाधिकारी ने कहा कि जम्मू कश्मीर में दिनांक 22.04.2025 को आतंकवादियों द्वारा भारतीय नागरिकों एवं विदेशी नागरिकों की नृशंस हत्याओं के दृष्टिगत् एवं पश्चिम बंगाल में हिन्दुओं पर हो रहें अल्पाचार की घटनाओं के प्रतिरोध तथा उनके विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही एवं राष्ट्रपति शासन लगाये जानें की माँग के सन्दर्भ में राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन। जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा भारतीय नागरिकों एवं विदेशी नागरिकों से धर्म पूछकर की गयी उनकी नृशंस हत्याओं ने प्रत्येक भारतीय के मनोमस्तिष्क को झकझोर दिया है एवं पश्चिम बंगाल में विगत कई वर्षों से हिन्दुओं पर अमानवीय अत्याचार की घटनाएं हो रही है, जो कि लोकतंत्र एवं मानवीय मूल्यों के प्रतिकूल हैं जिसके कारण लोकतंत्र की आड़ में अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो रही है। संविधान में निहित लोककल्याण के मूल्यों की रक्षा हेतु इसका समुचित उपाय किया जाना अति आवश्यक है। लोकतंत्र का मूल उद्देश्य नागरिकों की सुरक्षा एवं राज्य का विकास है। जो सरकार अपने नागरिकों की हत्या नहीं रोक सकती वरन् गलत तत्वों को बढ़ावा देती है. ऐसी सरकारों को तुरन्त भंग किये जाने की आवश्यकता है। जम्मू कश्मीर एवं पश्चिम बंगाल की उपरोक्त घटनाएं यह सिद्ध करती है कि उक्त राज्य सरकारें अपने दायित्वों के निर्वहन करने में सक्षम नहीं है। भारत का नागरिक होने के नाते हम सभी इस घटना से बेहद उद्देलित है। आम जनमानस अपने हाथों में कानून लेकर स्वयं प्रतिरोध करे, इससे उचित यह है कि आप सम्यक लोकतान्त्रिक प्रक्रिया के अनुत्तार संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार यहाँ की अक्षम सरकारों को, आंतकवादियों को समर्थन देने वाली सरकारों को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाया जाय। यह भी अनुरोध ा है कि ऐसे आतंकवादियों के विरुद्ध इतनी कठोर कार्यवाही की जाये कि अन्य कोई ऐसी घटना के बारे में सोचने की हिम्मत न करे। कथित लोकतंत्र जब अपने नागरिकों के लिए ही घातक हो जाये ऐसी व्यवस्था को हटाया जाना ही श्रेयष्कर है। अस्तु आपसे निवेदन है कि लोकतान्त्रिक मूल्यों की रक्षा एवं नागरिक सुरक्षा के दृष्टिगत् नृशंस हत्या के दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही एवं सुनियोजित साजिश के तहत हिन्दुओं की हत्या को प्रोत्साहन एवं समर्थन करने वाली जम्मू कश्मीर एवं पश्चिम बंगाल की सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाने की कृपा करें।

मा0 सांसद राज्यसभा श्रीमती सीमा द्विवेदी ने पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय इब्राहिमाबाद में पीएम श्री योजनान्तर्गत निर्मित दो अतिरिक्त कक्षों बाल वाटिका व दिव्यांग शौचालय का किया लोकार्पण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

मा0 सांसद राज्यसभा श्रीमती सीमा द्विवेदी जी के द्वारा गुरुवार को कंपोजिट विद्यालय इब्राहिमाबाद में पीएम श्री योजनान्तर्गत निर्मित दो अतिरिक्त कक्षों, बाल वाटिका व दिव्यांग शौचालय का लोकार्पण फीता काटकर किया गया। मा0 मुख्य अतिथि जी ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को शिक्षित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रत्येक ब्लाक में दो पीएमश्री स्कूलो का निर्माण कराया जा रहा है।अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की प्रयोगशाला के रूप में काम करने वाले ये स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में नई क्रांति लाने में सहायक होगी। मा0 सांसद जी ने कहा कि इन स्कूलों का एक और उद्देश्य यह है कि देशभर के सामान्य परिवारो के बच्चों को सरकारी स्कूल में गुणवत्तायुक्त शिक्षा आसानी से उपलब्ध हो सके। अच्छी शिक्षा ग्रहण करने के लिए उन्हें घर से दूर नहीं जाना पड़ेगा। इन स्कूलों में अत्याधुनिक प्रयोगशालाए स्थापित की जाएगी, ताकि छात्रों को केवल किताबी ज्ञान के साथ – साथ कौशल विकास पर भी ध्यान दिया जाएगा। इससे उनका आत्म विश्वास मजबूत होगा। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि छात्रों को शिक्षित करने के साथ उनके राष्ट्रभाव की प्रेरणा को पैदा करने का काम करे। बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल ने कहा कि कायाकल्प योजना के माध्यम से भौतिक परिवेश में परिषदीय स्कूलों में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। अध्यापकों के अंदर असीम योग्यता है। यदि अध्यापक स्कूल समय से आ रहे है, समय से जा रहे है, बेहतर ढंग से पढ़ा रहे है, बच्चों के व्यावहारिक परिवर्तन करने में मेहनत कर रहे है तो निश्चित रूप से हर अभिभावक आप के ही स्कूल में नामांकन कराएगा। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने नामांकन बढ़ाने के लिए निर्देश दिया। खंड शिक्षा अधिकारी अजीत सिंह ने कहा कि उक्त विद्यालय में बच्चों के नामांकन हेतु शिक्षक अभिभावकों को प्रेरित करे। विद्यालय के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। वक्ताओं में प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सुशील उपाध्याय, मंजू पांडेय, ब्लाक अध्यक्ष मृत्युंजय सिंह, राजीव सिंह लोहिया, अजय सिंह, राजकुमार पांडेय, मंजुलता यादव, माधुरी जायसवाल, दीपमाला जायसवाल, चंद्र यादव, प्रभुनाथ यादव, अनुपम श्रीवास्तव सहित भारी संख्या में अभिभावक मौजूद थे। संचालन प्रधानाध्यापक सुनील सिंह व अध्यक्षता ग्राम प्रधान लीलावती देवी ने किया।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर हुआ कार्यक्रम का आयोजन

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर रसखान प्रेक्षागृह में जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य

अतिथि माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रेमावती रहीं। कार्यक्रम के प्रारम्भ में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने माननीय मुख्य अतिथि, माननीय सांसद मिश्रिख श्री अशोक रावत, माननीय विधायक बालामऊ श्री रामपाल वर्मा व माननीय विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत माननीय अतिथिगणों द्वारा की गयी। सभी लोगों ने इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सम्बोधन को सुना। कार्यक्रम में जनपद में पंचायती राज विभाग पर आधारित एक लघु फिल्म दिखाई गयी। अपने सम्बोधन में माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रेमावती पीके वर्मा ने कहा कि ग्राम पंचायतों की लोकतंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका है। आज सभी ग्राम पंचायतों में स्वच्छ वातावरण देने का कार्य किया जा रहा है। गाँव की खुशहाली पर ही देश की खुशहाली निर्भर है। उन्होंने जिलाधिकारी की गावों के विकास के लिए किये जाने कार्यों को लेकर सराहना की। उन्होंने कहा कि गोशाला में गोबर गैस संयन्त्र के ग्रामों की आत्म निर्भरता बढ़ी है। सरकारी स्कूलों की स्थिति सुधरी है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार हुआ है। पहले बहनों को शौचालय जाने के लिए अँधेरे का इंतजार करना पड़ता था। आज घर घर शौचालय बने हैं। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं की आत्म निर्भरता बढ़ी है। महिलाएं जागरूक हुई हैं। महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं।देश भर में सड़कों का जाल बिछा है।माननीय सांसद मिश्रिख श्री अशोक रावत ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी ग्रामों में विकास की गंगा बहाने का कार्य कर रहे हैं। पंचायती राज व्यवस्था से ग्रामों का तेजी से विकास हुआ है। उन्होंने ग्रामों में पंचायती राज विभाग द्वारा कराये गए कार्यों की सराहना की। माननीय विधायक बालामऊ श्री रामपाल वर्मा ने कहा कि पंचायती राज के सम्बन्ध में हमारे महापुरुषों की संकल्पना आज साकार हो रही। गाँव खुशहाल होंगे तभी देश खुशहाल होगा। माननीय विधायक श्री माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू ने कहा कि बाबा साहब पंचायती राज व्यवस्था के हिमायती थे। पंचायती राज जन सुराज का सशक्त माध्यम है। इससे ग्रामों का विकास हुआ है। यह समाज के सभी वर्गों को आगे बढ़ाने का कार्य करता है। आज खुले में शौच से मुक्ति मिल चुकी है। अन्त में माननीय अतिथियों द्वारा मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना से सम्मानित ग्राम पंचायतों भानामऊ व कसमण्डी के ग्राम प्रधानों को प्रशस्ति पत्र दिया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी, भाजपा नेता पीके वर्मा, सम्बंधित अधिकारी व अन्य जन प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शैक्षिक भ्रमण से होता है बच्चों को व्यवहारिक ज्ञान -डॉ शीर्षेन्दु शील त्रिवेदी

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान द्वारा संचालित डॉ राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय अलीपुर हरदोई के छात्र–छात्राओं का तीन दिवसीय शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम दिनांक 21 अप्रैल 2025 को हरिद्वार , ऋषिकेश तथा देहरादून के लिए रवाना हुआ जिसमें सर्वप्रथम छात्र–छात्राओं ने देवभूमि हरिद्वार हरि की पौड़ी पहुंच कर स्नान कर आरती दर्शन किया । प्रथम दिन छात्र–छात्राओं को काफी रोचक लगा । द्वितीय दिवस में छात्र–छात्राओं ने शांति कुंज में वैदिक शिक्षा शिक्षा और आध्यात्मिक केन्द्र में जाकर गुरुकुल अवलोकन,हवन पूजन किया । जिससे मनुष्य को आत्मिक शुद्धता प्राप्त होती है ऐसा महसूस किया । शांतिकुंज भ्रमण में अखंड ज्योति के दर्शन , गायत्री माता, हिमालय दर्शन किये। सभी छात्र–छात्राएं समुद्र मंथन से निकले बिषपान कर विश्व रक्षा करने वाले नीलकंठ महादेव दर्शन के लिए रवाना हुए जो की अपने आप में अप्रतिम स्थान रखता है वहां पहुंचकर सभी छात्र–छात्राओं ने नीलकंठ महादेव का आशीर्वाद प्राप्त किया। वहां से सभी छात्र–छात्राएं बस द्वारा ऋषिकेश पहुंचे जहां पर राम झूला के दर्शन किए इसके पश्चात परमार्थ निकेतन गुरुकुल , गीता भवन आदि स्थानों पर वहां के विषय में जानकारी प्राप्त की । परमार्थ निकेतन में विभिन्न प्रकार के औषधीय पौधे जिनके विषय में छात्र–छात्राओं ने जानकारी एकत्रित की जहां पर रुद्राक्ष का काफी पुराना वृक्ष है इसके बारे में वहां के गाइड मुकेश कुमार जी के द्वारा जानकारी दी गई इसके ऋषिकेश में गंगा स्नान सभी छात्र–छात्राओं ने किया व गंगा मैया का आशीर्वाद प्राप्त किया । ऋषिकेश की आरती दर्शन का लाभ प्राप्त किया द्वितीय दिवस में

सभी छात्र–छात्राओं को आशीर्वाद के साथ रोचक व शैक्षिक जानकारियां प्राप्त हुई सभी छात्र–छात्राएं हरिद्वार के लिए वापस हुए तृतीय दिवस प्रातः सभी छात्र–छात्राओं ने हरिद्वार गंगा स्नान कर गंगा जी का आशीर्वाद प्राप्त किया तत्पश्चात सभी छात्र–छात्राएं देहरादून के लिए बस द्वारा प्रस्थान किया जहां पर टपकेश्वर महादेव मंदिर आदि शैक्षिक व धार्मिक स्थानों का भ्रमण किया व वहां के विषय में शैक्षिक जानकारियां एकत्रित की सभी छात्र छात्राओं का यह त्रि दिवसीय शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम काफी सराहनीय व रोचक रहा शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम मेंमहाविद्यालय के बी0एड0 कक्षा के छात्र परास्नातक विज्ञान संकाय व कला संकाय के छात्र–छात्राओं के साथ डॉ विवेक बाजपेई, डॉ एस एस त्रिवेदी, डॉक्टर एस के पांडे श्री आनंद विशारद मुकेश कुमार आदि शिक्षक भ्रमण में सम्मिलित रहे यह भ्रमण कार्यक्रम महाविद्यालय की बस द्वारा किया गया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।